



पेज 8

वैभव सूर्यवंशी
ने रचा नया
कीर्तिमान

दैनिक

हिंदमता

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

‘कल्कि 2’ को
लेकर बढ़ा
क्रेज



पेज 8

तमिलनाडु में बड़ा हादसा : सीफूड यूनिट में अमोनिया गैस लीक

सात महिलाओं की मौत



65 से अधिक श्रमिक बेहोश

हिंदमाता नेटवर्क @ तिरुवल्लूर

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में रविवार को एक सीफूड निर्यात इकाई में अमोनिया गैस रिसाव की घटना सामने आई है। यह रिसाव पेरियापालयम के पास कनिंगाईपर स्थितसेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्टर्स फैक्ट्री में हुआ। जिसमें सात महिलाओं की मौत हो गई और 67 श्रमिक बीमार हैं। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही अरक्कोनम स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चौथी बटालियन को अलर्ट किया गया। इसके बाद चेन्नई से 30 एनडीआरएफ कर्मियों की एक विशेष टीम तुरंत मौके के लिए रवाना की गई।

युवा महिलाएं हैं अधिकांश प्रभावित कर्मचारी

इस बीच शुरुआती दौर में कुछ लोगों की मौत की अफवाह भी सामने आई थी, लेकिन एक निजी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक ने इन खबरों का खंडन किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीज जीवित हैं और किसी की मौत नहीं हुई है। डॉक्टर के अनुसार, अस्पताल में कुल 44 मरीज भर्ती किए गए, जिनमें 43 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। इनमें से 15 से 16 मरीजों को इंट्यूबेट किया गया है, जबकि 11 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश प्रभावित कर्मचारी 24 से 25 वर्ष आयु वर्ग की युवा महिलाएं हैं।

फैक्टरी के वाल्व में खराबी के कारण गैस रिसाव की आशंका

शुरुआती जानकारी के अनुसार, फैक्टरी में किसी वाल्व की खराबी के कारण अमोनिया गैस का रिसाव हुआ हो सकता है। जांच में सुरक्षा मानकों के पालन और संभावित लापरवाही के पहलुओं की भी पड़ताल की जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी प्रभावित श्रमिकों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

लंबे समय से रात के समय बार-बार गैस छोड़ी जाती है- स्थानीय निवासी

झींगा प्रोसेस करने वाली एक प्राइवेट फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक होने पर एक स्थानीय निवासी ने कहा, जिस झींगा प्रोसेसिंग कंपनी में आज गैस लीक हुई, वहां लंबे समय से रात के समय बार-बार गैस छोड़ी जा रही है। आस-पास के गांवों में रहने वाले लोग पहले ही इससे प्रभावित हो चुके हैं और उन्हें इलाज भी कराना पड़ा है। 2023 से मैं लगातार अधिकारियों से गुहार लगा रहा हूँ कि वे यह पक्का करें कि बार-बार होने वाली ये दिक्कतें किसी बड़ी समस्या का रूप न लें। मैं एक अन्य स्थानीय व्यक्ति ने कहा, यह कंपनी पिछले 10 सालों से पूरी तरह गैर-कानूनी तरीके से चल रही है। हमने कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की, यह पूरी तरह गैर-कानूनी है। हम सरकार से तुरंत कार्रवाई करने की मांग करते हैं।



ऑपरेशन टाइगर पर लगी मुहर

बागी सांसदों के गढ़ में उद्धव का दौरा

निंबालकर और आष्टीकर ने किया पाला बदलने का ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई ‘ऑपरेशन टाइगर’ पर अब पक्की मुहर लग चुकी है। इस मामले पर लंबी चुप्पी तोड़ते हुए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भर कह दिया है कि ऑपरेशन सफल रहा है, बांडी स्वस्थ है। हालांकि फडणवीस ने इस पर प्रकाश नहीं डाला कि इस तरह के अनैतिक ऑपरेशन से लोकतंत्र की कितनी चीर-फाड़ हो चुकी है। फिलहाल उद्धव ठाकरे को नेक इंसान कहनेवाले सांसद ओमराज निंबालकर ने रविवार को साफ कह दिया है कि वह शिंदे के साथ जा रहे हैं। सांसद नागेश आष्टीकर ने भी कह दिया है कि वे शिंदे खेमे में जा रहे हैं। एक तरह से ‘आपरेशन टाइगर’ की नोटकी पर अब फाइनल मुहर लग चुकी है। हमेशा की तरह इस बार भी पालाबदलू

नेताओं ने निधि के अभाव और विकास करने की छूटपटाहट का हवाला दिया है। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि डिजलिमेंटेशन बिल को व्यूह रचना में जूटे अमित शाह की शह पर उद्धव ठाकरे की पार्टी को एक बार फिर तोड़ दिया गया है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी, ममता बनर्जी की तुणमूल कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बाद अब यूपी में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और शरद पवार की एनसीपी के सांसदों पर ‘अदृश्य महाशक्ति’ की नजर पड़ गई है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर कहते हैं कि ‘यह नया भारत है, घर में घुसकर मारता है’; उसी तर्ज पर यह नए भारत की नई राजनीति है... पार्टी में घुसकर सांसद-विधायक-नगरसेवक तोड़े जाते हैं।

कार्यकर्ता किडनी बेचकर पैसा देने को तैयार, फिर भी निंबालकर ने बदला पाला

धाराशिव से उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सांसद ओमराजे निंबालकर ने पहले तो ऑपरेशन टाइगर के बारे में मुंह नहीं खोला, लेकिन बाद में कहा कि अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत के बाद ही कोई दास निर्णय लेंगे। ओमराजे के इस ऐलान के बाद उद्धव खेमे के नेता निंबालकर को समझाने-बुझाने के लिए दौड़ पड़े। वहीं उमरगा के उपतालुका प्रमुख सुधाकर पाटील के लेटरहेड पर पत्र लिखा गया कि यदि ओमराजे निंबालकर को पाला बदलने के लिए 100 करोड़ रुपए मिलनेवाले हैं, तो उनके कार्यकर्ता अपनी-अपनी किडनियां बेचकर 100 करोड़ रुपए की राशि इकट्ठा करने के लिए तैयार हैं। हालांकि दोपहर होते-होते सारी नोटकी खत्म हो गई। निंबालकर ने ऐलान कर दिया कि वे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में काम करेंगे। हालांकि निंबालकर ने यह भी दलील है कि स्थानीय चुनाव में उनके समर्थकों को हार का मुंह देखना पड़ा। इसीलिए हमने यह निर्णय किया है।

उद्धव ठाकरे 26 जून से शुरू करेंगे दौरा

उद्धव ठाकरे ने पार्टी में बगावत के बीच बड़ा प्लान तैयार किया है। पार्टी के सभी 6 बागी सांसदों के खिलाफ उद्धव ठाकरे 26 जून से 29 जून तक उनके लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। उद्धव ठाकरे की तरफ से लिए गए इस फैसले के बाद राजनीतिक हलचल पैदा हो गई है। उद्धव ठाकरे अपना यह दौरा 26 जून से शुरू करेंगे। 27 जून को उद्धव ठाकरे यवतमाल-वांशिम और हिंगोली लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। वहीं 28 जून को वे परभणी और धाराशिव लोकसभा क्षेत्रों में जाकर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा 29 जून को वे शिरडी लोकसभा क्षेत्र में जाकर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से संवाद करेंगे। अब उद्धव ठाकरे इन बागियों के खिलाफ सभी के लोकसभा क्षेत्र में उतरेंगे और जनता को इस घोखे के बारे में बताएंगे।

मैं एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना आ गया : नागेश आष्टीकर

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका देते हुए हिंगोली से सांसद नागेश पाटील आष्टीकर ने रविवार को साफ कर दिया कि वह अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ हैं। पिछले कई दिनों से उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें लग रही थीं, जिन पर उन्होंने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। सोलाल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी विचारधारा से कोई समझौता नहीं किया है। उनका कहना था कि वह ‘एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना’ में गए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 जून तक उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने कोई फैसला नहीं लिया था, लेकिन उसके बाद उनके खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।



पालाबदलू पिता और निष्ठावान बेटे

महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर के कारण मची खलबली के बीच अब पारिवारिक रिश्तों और राजनीतिक निष्ठाओं के टकराव की एक अनूठी कहानी सामने आई है। शिवसेना ठाकरे गृह के बागी सांसद संजय दीना पाटील की बेटे और नगरसेविका राजूल पाटील ने अपने पिता की राह से अलग चलते हुए उद्धव ठाकरे के प्रति अपनी अटूट निष्ठा जाहिर की है। रविवार को राजूल पाटील उद्धव ठाकरे से मिलने मातोश्री पहुंची। उन्होंने स्वरूप से घोषणा की कि वह अपना स्टैंड विलयर करने आई हैं और हर परिस्थिति में उद्धव सेना के साथ ही रहेंगी। इसी तरह नागेश आष्टीकर के बेटे ने भी उद्धव ठाकरे के साथ रहने का संकल्प दोहराया है, लेकिन उनके करियरों के कार्यकर्ताओं में इन्हें लेकर असंतोष गहरा गया है।

मानसून सत्र से पहले एमवीए ने सरकार को घेरा

चाय पार्टी का बहिष्कार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होने से पहले राज्य की सियासत गरमा गई है। इसी संदर्भ में महाविकास आघाडी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रविवार को आयोजित की गई। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना ठाकरे समूह के नेता अंबदास दानवे, भास्कर जाधव, एनसीपी शरद पवार समूह के नेता जयंत पाटील और महाविकास आघाडी के अन्य नेता उपस्थित थे। विपक्ष ने मानसून सत्र से पहले रविवार की शाम को सरकार की चाय पार्टी का बहिष्कार किया है। शिवसेना ठाकरे समूह के नेता भास्कर जाधव ने कहा कि हमने सरकार की चाय पार्टी का बहिष्कार किया है। भास्कर जाधव ने कहा कि इस साल महाराष्ट्र अल नीनो संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में किसी भी किसान को उसकी फसल की गारंटीशुदा कीमत नहीं मिल रही है। सरकार भले ही हर जगह यह कह दे कि हमने दो लाख रुपए तक के कर्ज माफ कर दिए हैं, लेकिन किसानों की समस्याएं वैसी ही हैं। जयंत पाटील ने सबसे पहले राज्य में गहराते जल संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने किसानों के बढ़ते कर्ज और कृषि क्षेत्र की परेशानियों का भी मुद्दा उठाते हुए सरकार पर किसानों को अनेकदेखी का आरोप लगाया। ड्रम के बद्धने नेटवर्क को लेकर भी विपक्ष ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया। संभवतः सत्र हंगामेदार रहेगा।

योग दिवस पर मुख्यमंत्रियों ने किया योगासन

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर

भारत के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने योग अभ्यास किया। साथ ही अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत की है। इस दौरान सभी ने प्रधानमंत्री को योग के वैश्विक पहचान दिलाने का श्रेय दिया है। योग दिवस के मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री स्मार्ट चौधरी, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी और राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा समेत कई मुख्यमंत्रियों ने योग कार्यक्रम में भाग लिया।



सीएम योगी ने झांसी किला मैदान में योग किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी किला मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया और हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर विशेष योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, विधान परिषद सभापति और सरकार के सभी मंत्रियों ने अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर योगाभ्यास कर योग के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।



सीएम फडणवीस से लेकर सीएम योगी तक ने योग दिवस पर किया योगासन

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

भारत समेत पूरे विश्व में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस साल की थीम, ‘स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग’, योग को जीवन भर की आदत बनाने पर केंद्रित रही जो शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन का समर्थन करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के प्रतिष्ठित रेड रोड से मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व किया, जबकि भारतीय राजनयिक मिशन विभिन्न देशों में हजारों स्थानों पर समारोह आयोजित कर रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के लिए कोलकाता में रेड रोड पर मंच संभाला। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 70 साल की आयु में हम 50 साल की आयु की तुलना में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति अधिक प्रतिरोधक क्षमता रखते हों। यही वह क्षेत्र है, जहां योग हमारी सहायता कर सकता है। यही योग की ताकत है, जिसे हमें समझना और अपनाना है। पीएम मोदी ने रविवार सुबह कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में देश का नेतृत्व किया। राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरा विश्व और पूरा देश एक-दूसरे से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है और यही तो योग की ताकत है। योग सबको जोड़ता है।

50 की उम्र में 30 साल की आयु की तुलना में अधिक ऊर्जावान हों

कोलकाता में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 21 जून का ये दिन पृथ्वी के कुछ भूभाग पर साल में सबसे लंबी अवधि का दिन होता है और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कारण 21 जून का ये दिन विश्व के सबसे बड़े सामूहिक उत्सव का दिन बन गया है। पीएम मोदी ने कहा, “हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 40 साल की आयु में हम 20 साल की आयु की तुलना में अधिक लचीले हों। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 50 साल की आयु में हम 30 साल की आयु की तुलना में अधिक ऊर्जावान हों। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 70 साल की आयु में हम 50 साल की आयु की तुलना में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति अधिक प्रतिरोधक क्षमता रखते हों। यही वह क्षेत्र है, जहां योग हमारी सहायता कर सकता है।

पूरा विश्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ नजर आ रहा

कोलकाता के लोगों की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ‘स्वच्छता से स्वागत’ यह एक अच्छी पहल है। इसके लिए जिस तरह कोलकाता में श्रम किया गया है, नागरिक कर्तव्य निभाया गया है, वह सभी देशवासियों के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा बन गया है। लोगों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने कहा- ‘विश्व के अलग-अलग हिस्सों से एक से एक अद्भुत तहवीरें आ रही हैं। भारत में हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक, पूर्वोत्तर और पूरब में बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक पूरा देश योग की ऊर्जा से चेतन्य से भरा हुआ नजर आ रहा है। पूरा विश्व और पूरा देश एक-दूसरे से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है और यही तो योग की ताकत है। योग सबको जोड़ता है।

पश्चिम बंगाल की महान विभूतियों को किया याद

पीएम मोदी ने इस दौरान पश्चिम बंगाल की महान विभूतियों को याद किया। उन्होंने कहा- ‘योग दिवस के अवसर पर आज बंगाल में होना बहुत ही विशेष है। बंगाल की ये पवित्र भूमि, जहां भगवान रामकृष्ण परमहंस जैसे सिद्ध संतों ने अवतार लिया, जहां से निकलकर स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व को योग से परिचय कराया, जहां महर्षि अरविंद जैसे महान योगी ने जन्म लिया, लाहिड़ी महाशय जैसे महान योगियों ने जहां योग परंपरा को नई ऊचाइयों तक पहुंचाया, आज उसी धरती पर सामूहिक योग का अनुभव एक अलग आध्यात्मिक अनुभूति दे रहा है।’

छह सांसदों के खिलाफ ‘जोड़े मारो’ आंदोलन

उद्धव ठाकरे पर कथित टिप्पणियों के विरोध में शिवसेना (यूबीटी) का जोरदार प्रदर्शन

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की भिवंडी शहर एवं जिला इकाई ने रविवार को छह सांसदों के खिलाफ ‘जोड़े मारो’ आंदोलन आयोजित किया। अजय नगर स्थित शिवाजी महाराज चौक के पास शिवसेना शाखा कार्यालय के सामने हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिवसैनिकों, महिला पदाधिकारियों और सहयोगी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

चप्पल मारकर जताय विरोध

आंदोलन के दौरान संबंधित सांसदों के पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। महिला पदाधिकारियों ने इन पोस्टरों पर चप्पल मारकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने सांसदों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके कथित बयानों की कड़ी आलोचना की।

नेताओं का रुख

शिवसेना नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन पार्टी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में आयोजित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी अपने नेतृत्व और विचारधारा के सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगी तथा ऐसे बयानों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा।

पदाधिकारियों की मौजूदगी

प्रदर्शन में उपनेता विशवास थळे, जिला प्रमुख कुंदन पाटील, जिला सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे, जिला सचिव जय भगत, राजाभाऊ पुण्याथी, शहर प्रमुख गजेंद्र गुळवी और प्रदीप बोडके सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। महिला आघाड़ी की कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

क्राइम ब्रांच ने दो वांछित आरोपी दबोचे

दो आरोपी को किया गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

अपराध शाखा यूनिट-4 ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बदलापुर पश्चिम पुलिस थाने में दर्ज एक गंभीर मामले के दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक 19 वर्षीय युवक तथा एक नाबालिग शामिल है।

जाल बिछकर पकड़ा

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक योगेश आह्लाड के अनुसार, पुलिस हवालदार राजेंद्र शोरे को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी उल्हासनगर-1 क्षेत्र में आने वाले हैं। सूचना के आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीरंग गोसावी के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछकर दोनों को हिरासत में लिया। आवश्यक पंचनामा और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए बदलापुर पश्चिम पुलिस को सौंप दिया गया।

पुलिस टीम की भूमिका

इस कार्रवाई में सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीरंग गोसावी, पुलिस हवालदार राजेंद्र शोरे, गोपेश गावडे, योगेश वाघ, रितेश वंजारी तथा पुलिस कर्मी अशोक शोरे और महिला पुलिस सिपाही मनोरमा सावळे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपराध शाखा ने इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की बड़ी सफलता बताया है।

मध्य रेल ने मनाया योग दिवस

‘स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग’ थीम पर आयोजित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल ने रविवार को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उल्हास और उमंग के साथ मनाया। इस वर्ष योग दिवस की थीम ‘स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग’ रही। कार्यक्रम में मध्य रेल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा योग के महत्व को अपनाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री का संबोधन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश-विदेश के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 21 जून अब विश्व का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव दिवस बन चुका है और योग पूरी मानवता को जोड़ने वाला माध्यम है। उन्होंने ‘योग 365’ पहल की सफलता का भी उल्लेख किया, जिसमें 130 देशों की सहभागिता रही।

मंडलों और कार्यशालाओं में योग

मध्य रेल के विभिन्न मंडलों, कार्यशालाओं और इकाइयों में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। कर्मचारियों को योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभों की जानकारी दी गई तथा नियमित योगभ्यास के लिए प्रेरित किया गया। मध्य रेल ने सोशल मीडिया के माध्यम से भी योग के प्रति जागरूकता फैलाने का अभियान चलाया।

हिंदमाता एंकर: शिंदे सेना के बड़े नेता पर गंभीर प्राथमिकी, सियासी हड़कंप

मरे हुए लोगों के नाम पर करोड़ों की जमीन का खेल!

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र की राजनीति में भ्रष्टाचार और जालसाजी का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सबको चौंका दिया है। ठाणे जिले के कल्याण में एक बेहद सनसनीखेज लैंड स्क्वैम का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सेना के एक रसूखदार नेता का नाम मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया है। आरोप है कि जमीन हड़पने के लिए न केवल फर्जी कागजात बनाए गए, बल्कि इसके लिए मृत व्यक्तियों का सहारा लिया गया।



नीट परीक्षा में भिवंडी बनी इंसानियत की मिसाल

● मस्जिदों, सामाजिक संस्थाओं और हाउसिंग सोसायटियों ने अभिभावकों के लिए खोले अपने दरवाजे, परीक्षा के दौरान उमड़ी भीड़

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की पुनर्परीक्षा के दौरान भिवंडी ने सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और मानव सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। परीक्षा केंद्रों पर जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, वहीं शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, मस्जिदों और हाउसिंग सोसायटियों ने विद्यार्थियों के साथ आए अभिभावकों के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था कर इंसानियत की मिसाल कायम की।

अभिभावकों के लिए राहत

बीषण गर्मी और लंबी प्रतीक्षा को देखते हुए कई सामाजिक संगठनों और धार्मिक संस्थाओं ने अभिभावकों के लिए अपने परिसर खोल दिए। बैटने के लिए हॉल, कुर्सियां, पखे, ठंडा पानी, चाय-नाश्ता, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इससे दूर-दराज से आए अभिभावकों को काफी राहत मिली।

अभिभावकों ने की सराहना

परीक्षा केंद्रों के बाहर मौजूद अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं समाज में एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। उनका कहना था कि बच्चों के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण अवसर पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा दिया गया सहयोग अनुकरणीय है।



मस्जिदों ने निभाई अहम भूमिका

मस्जिद दारुलउलूम दिनवाला गैबी नगर, मोमिन जमात खाना समेत नगर तथा जीएम मोमिन गर्ल्स कॉलेज के हॉल में बड़ी संख्या में महिलाओं और अभिभावकों के बैठने की व्यवस्था की गई। यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोगों का बिना किसी भेदभाव के स्वागत किया गया। कई स्थानों पर चिकित्सकीय सहायता की भी व्यवस्था की गई थी, ताकि किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके।

सेवा और सौहार्द का संदेश

आईटा भिवंडी के अध्यक्ष एवं करियर काउंसलर फहीम मोमिन ने कहा कि शिक्षा पूरे समाज की जिम्मेदारी है और ऐसे अवसरों पर सभी वर्गों को मिलकर सहयोग करना चाहिए। अलअसार मेडिकल सोसाइटी के शाहिद अनवर फारूकी और मोमिन जमात खाना के सदस्य इंजीनियर अस्लम मोमिन ने बताया कि मानवता और समाज सेवा की भावना से प्रेरित होकर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। नीट परीक्षा के दौरान भिवंडी में देखने को मिली यह पहल सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और इंसानियत का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आई।

अपहरण कांड का खुलासा

24 लाख की फिरोती के लिए अगवा व्यक्ति को क्राइम ब्रांच ने छुड़ाया

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

पिंपरी-चिंचवड के संत तुकाराम नगर पुलिस थाने में दर्ज अपहरण मामले का खुलासा करते हुए उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अपहृत व्यक्ति को सकुलाल मुक्त कराया है। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है।

गुप्त सूचना बनी आधार

पुलिस के अनुसार 18 जून को दर्ज अपहरण मामले की जांच के दौरान क्राइम ब्रांच के पुलिस कांस्टेबल बाबू जाधव को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अपहृत व्यक्ति को अंबरनाथ तालुका के वासगगांव स्थित एक बंद कमरे में छिपाकर रखे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने क्षेत्र में जाल बिछाकर कार्रवाई की।

सकुशल कराया मुक्त

क्राइम ब्रांच की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवराज पाटिल को सुरक्षित छुड़ा लिया। गिरफ्तार आरोपियों और मुक्त कराए गए व्यक्ति को आगे की जांच एवं कानूनी कार्रवाई के लिए संत तुकाराम नगर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

उल्हासनगर मनपा और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

अभियान रहेगा जारी, छापेमारी अभियान

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 17 लोगों के विरुद्ध विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज किए हैं। यह कार्रवाई ठाणे जिला कलेक्टर और जिला स्वास्थ्य अधिकारी को मिली शिकायतों के आधार पर की गई।

जांच में खुलासा

मनपा क्षेत्र के 26 संदिग्ध वलीनिकों की जांच के दौरान पाया गया कि 17 डॉक्टर कथित रूप से क्रॉस-पैथी के माध्यम से अवैध चिकित्सा सेवा दे रहे थे। वहीं तीन डॉक्टरों का पंजीकरण वैध पाया गया। एक नाम सूची में दो बार दर्ज था, जबकि एक डॉक्टर कल्याण-डोंबिवली मनपा क्षेत्र में कार्यरत पाया गया, जिसकी जानकारी संबंधित प्रशासन को दे दी गई। चार डॉक्टर जांच के दौरान दिए गए पते पर नहीं मिले।

मनपा की अपील

मनपा के चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सत्यम गुप्ता ने बताया कि फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ विशेष समिति गठित की गई है और शिकायत मिलते ही कानूनी कार्रवाई की जाती है। उन्होंने नागरिकों से ऐसे मामलों की जानकारी तुरंत स्वास्थ्य विभाग को देने की अपील की।

दूसरे चरण की कार्रवाई

अतिरिक्त आयुक्त के निर्देश पर 16 जून को दोबारा जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान पहले से दर्ज 17 मामलों से से एक डॉक्टर को अवैध रूप से इलाज करते हुए पकड़ा गया, जिसके खिलाफ पुनः मामला दर्ज किया गया। नौ डॉक्टर अपने पते पर नहीं मिले, जबकि क्षेत्र में कार्यरत पाया गया, जिसकी जानकारी संबंधित प्रशासन को दे दी गई। चार डॉक्टर जांच के दौरान दिए गए पते पर नहीं मिले।

राजनीतिक हलचल तेज

सत्ताधारी दल के एक सक्रिय पदाधिकारी और पूर्व पाईद पर इस तरह के गंभीर आरोप लगने से शिवसेना शिंदे गट के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई है। मृत लोगों की पहचान का इस्तेमाल कर करोड़ों की जमीन का हेरफेर करने के इस रचनात्मक लेकिन अवैध तरीके ने सबको हैरान कर दिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे सिंडिकेट की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस घोटाले की जड़ें कितनी गहरी हैं और क्या इसमें कुछ सरकारी अधिकारियों की भी मिलीभगत थी। इस घटना ने एक बार फिर भू-माफियाओं और राजनीति के खतरनाक गठजोड़ को उजागर कर दिया है।

शॉर्ट स्टोरी

योग महोत्सव का भव्य समापन

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित 100 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव का भव्य समापन उत्साह और गरिमा के साथ हुआ। यह महोत्सव आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, मोरारजी पौढीश्वर एवं महाराष्ट्र योग प्रमुख ब्रह्मर्षि योगीराज श्री भारत भूषण भारतेंदु जी महाराज ने किया। महोत्सव के दौरान दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, नासिक, मुंबई, मीरा-भायंदर और पालघर सहित कई स्थानों पर हजारों लोगों ने योग, प्राणायाम, ध्यान और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। पालघर के सुंदरम सेंट्रल स्कूल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने सामूहिक योगभ्यास किया। योगीराज भारतेंदु जी महाराज ने ‘शवास विज्ञान’ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ जीवन के लिए सही श्वास तकनीकों की जानकारी दी। लाप्टर योग कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। इस अवसर पर ‘अहिंसा योग अवार्ड 2026’ की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम का समापन विश्व शांति प्रार्थना और ‘हर घर योग-हर व्यक्ति निरोग’ के संकल्प के साथ हुआ।

42वें गणेशोत्सव के लिए मंडप पूजन संपन्न

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

चांदवली स्थित सफेदपुल के श्रीकृष्ण मित्र मंडल (साकीनाका का विघ्नहर्ता) द्वारा आयोजित 42वें गणेशोत्सव के उपलक्ष्य में मंडप पूजन कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सूचना अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली एवं मंडल के सलाहकार के हाथों विधिवत पूजन किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष चंद्रकांत ने, सचिव संदीप सालवे, रत्नाकर शेठ्टी, जिगर जैन, रियाज जरीर मुल्ला सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अतिथियों ने मंडल द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों की सराहना करते हुए आगामी गणेशोत्सव के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। मंडल पिछले 42 वर्ष से गणेशोत्सव के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक संरक्षण और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

मैत्रीबंध परिवार ने मनाया योग दिवस

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मैत्रीबंध परिवार द्वारा कर्जत स्थित शांतिकेन्द्र प्रेमगिरि आश्रम में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर योग, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता के महत्व को समझा। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आधुनिक विकास के साथ भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ें ही देश को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। मैत्रीबंध परिवार के संस्थापक मुख्य मैत्रेय दादाश्रीजी ने कहा कि मैत्री, संस्कृति और आंतरिक परिवर्तन के माध्यम से भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। कार्यक्रम में गोपाल कृष्ण अग्रवाल तथा कर्जत-खालापूर के विद्यार्थक महेंद्र शोरे भी उपस्थित रहे। योगभ्यास के साथ गणेश वंदना और मल्लखर्ज की आकर्षक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। आयोजन में योग को शरीर, मन और चेतना के समन्वय के रूप में प्रस्तुत किया गया।

कोई सांसद पार्टी नहीं छोड़ेगा: बाल्ता मामा

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सांसद सुरेश महात्रे उर्फ बाल्ता मामा ने पार्टी के सांसदों के अजित पवार गुट में जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि शरद पवार गुट का कोई भी सांसद पार्टी छोड़ने वाला नहीं है। उन्होंने पूर्व मंत्री धर्मराज बाबा आत्राम के उस दावे को भी निराधार बताया, जिसमें पांच सांसदों के संपर्क में होने की बात कही गई थी। बाल्ता मामा ने कहा कि वह शरद पवार के नेतृत्व के कारण सांसद बने हैं और पार्टी के सभी सांसद नेतृत्व के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग दल-बदल की बातें कर रहे हैं, उन्हें पहले पार्टी के प्रति निष्ठा दिखानी चाहिए। महिला आरक्षण और अन्य विधेयों पर उन्होंने कहा कि विषय इनका विरोध नहीं कर रहा था, बल्कि राज्य में सीटों के पुनर्गठन और बटोरी को लेकर सरकार से राब जानकारी मांग रहा था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा सीटें 48 से बढ़कर 72 होने की चर्चा राज्य के लिए सकारात्मक साबित हो सकती है।

वडोल में सड़क कार्यों का भूमिपूजन

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

वडोल गांव में सड़क विकास कार्यों के लिए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के विशेष कोष से 2 करोड़ रुपए की निधि स्वीकृत की गई है। स्थानीय नगरसेवक एवं स्वास्थ्य सभापति सविता तोरणे रागडे की मांग पर मंजूर इस निधि से विभिन्न सड़क विकास कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों का भूमिपूजन हाल ही में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में किया गया। समारोह में महापौर अश्विनी कमलेस्वर निकम, पूर्व विधायक पप्पू कालानी, महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, वरिष्ठ नगरसेवक महेश सुखरामनी, स्वास्थ्य सभापति सविता तोरणे रागडे, टोनी शिरवानी, केलाश म्हात्रे सहित अनेक जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पैल नंबर 12 के समग्र विकास के लिए सरकार और जनप्रतिनिधि प्रतिबद्ध हैं। शिवाजी रागडे ने बताया कि सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने क्षेत्र के विकास के लिए वन की कमी नहीं होने का आश्वासन दिया था। स्वीकृत निधि से वडोल गांव की सड़क समस्याओं का समाधान होने की उम्मीद है।

ज्ञानेश्वर मरसाले बने शहर अध्यक्ष

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

जय महाराष्ट्र मथाड़ी और जनरल कामगार सेना ने ज्ञानेश्वर मरसाले को संगठन का उल्हासनगर शहर अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह संगठन राष्ट्रीय श्रमिक सेना से संबद्ध है और मथाड़ी तथा अन्य श्रमिक वर्गों के अधिकारों एवं कल्याण के लिए कार्य करता है। जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति शिवसेना प्रमुख एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के निर्देश पर की गई। नियुक्ति पत्र श्रम नेता एवं युनियन अध्यक्ष जेरी जे. डेविड तथा उपाध्यक्ष जगन्नाथ जायसवाल ने मरसाले को सौंपा। इस अवसर पर राजेश महाडिक, राजेंद्र सुर्वे, राजेश सपकाल, संदीप बिनार, दिलीप सावंत, गोरेखा जाधव, विजेंद्र चौधरी, सागर पामरे, रोहन जाधव, शंकर मरसाले और रवींद्र सौदामर सहित संगठन के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। नवनियुक्त शहर अध्यक्ष ज्ञानेश्वर मरसाले ने कहा कि वे मथाड़ी, अस्मंडाट, सविंदा, वरन, सहाई और नाका श्रमिकों की समस्याओं के समाधान तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

एचबीटी स्मारिका का विमोचन

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रकाशित एचबीटी की वार्षिक कार्यक्रम स्मारिका का भव्य विमोचन समारोह भिवंडी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौगुले और महापौर नारायण रतन चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन कर इस पहल की सराहना की। स्मारिका का प्रकाशन युवा पत्रकार एवं समाजसेवक युसुफ मंसूरी के मार्गदर्शन में किया गया है। आयोजकों के अनुसार यह प्रकाशन समाज, शिक्षा, संस्कृति और जनहित से जुड़े विषयों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के शहर अध्यक्ष शोएब खान गुड्डे, उद्योगपति छान पाटिल सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने इसे सामाजिक जागरूकता और रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। समारोह में मुख्य संपादक युसुफ मंसूरी, समीर पटेल, असलम अंसारी, अशफाक शेख, सरवर मोमिन, अमृत शर्मा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे।

महाराष्ट्र के परभणी हादसे में 7 श्रद्धालुओं की मौत

मंदिर के मलबे में अभी भी कई फंसे, रेस्क्यू जारी

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

परभणी जिले के मानवत तालुका स्थित यशवादी देवस्थान में शनिवार (20 जून) को बड़ा हादसा हो गया। प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के गर्भगृह के सामने निमाणीधीन सभा मंडप की छत अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे मौके पर अफरा-ताफ़री मच गई। हादसे में 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है जबकि 32 जख्मी हुए हैं। घायलों का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, इस हादसे के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में मौजूद थे। हादसे के बाद प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया। शनिवार होने की वजह से बड़ी संख्या में भक्त दर्शन करने आते हैं। कई एंबुलेंस मौके पर मौजूद हैं। मेडिकल टीमें भी तैनात की गई हैं। ज़िला प्रशासन और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं।

राहत और बचाव कार्य जारी

युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य जारी है। मलबे में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे में जख्मी हुए श्रद्धालुओं के इलाज के लिए परभणी जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक रूप से हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की गई है।

रिया कपूर की टीम को लगा करोड़ों का चूना

1.35 करोड़ के कीमती गहने चोरी, मामला दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के सहार पुलिस स्टेशन में 1.35 करोड़ रुपए कीमत के कीमती इयररिंग्स चोरी हो गए। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता सवलीन सिंह नाम की 41 साल की महिला हैं। ये मेकअप आर्टिस्ट का काम करती हैं। वे पिछले सात साल से फैशन आइकन और फिल्म निर्माता रिया कपूर के साथ काम कर रही हैं और उनके फैशन कार्यक्रमों में मेकअप करती हैं। शिकायत के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 को न्यूयॉर्क में होने वाले बड़े फैशन इवेंट एम्पर्टी गाला में जाने के लिए रिया कपूर को इनविटेशन मिला था। उनके साथ मेकअप टीम भी जा रही थी। रिया के लिए मुंबई के मेहता और गोयंका ज्वेलर्स से किराए पर ली गई दो जोड़ी महंगी इयररिंग्स सवलीन सिंह को सौंप दी गई थीं, जिन्हें उन्होंने अपनी हैंडबैग में रखा था।

चोरी हुए गहनों में क्या-क्या?

शिकायतकर्ता और उनकी टीम 27 अप्रैल 2026 की रात 10:25 बजे मुंबई से दुबई होते हुए न्यूयॉर्क के लिए अमीरात की फ्लाइट से रवाना हुईं। टीम 28 अप्रैल 2026 को शाम करीब 5:30 बजे न्यूयॉर्क के जैन एफ. कैनेडी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंची। इसके बाद सभी सदस्य होटल पियर, न्यूयॉर्क में अपने-अपने कमरों में चले गए। शिकायतकर्ता ने जब अपनी पर्स से दोनों इयररिंग्स के बॉक्स निकालकर टीम की सदस्य शिरिनी मेडम को देने के लिए खोला, तो उसमें इयररिंग्स मौजूद नहीं थे। आशंका जताई जा रही है कि यात्रा के दौरान किसी अज्ञात शख्स ने दोनों जोड़ी इयररिंग्स चोरी कर लिए। चोरी हुए गहनों में मेहता ज्वेलर्स के एमराल्ड स्टोन और डायमंड जड़े सोने के इयररिंग्स, जिनकी अनुमानित कीमत 66 लाख रुपए है। गोयंका ज्वेलर्स के जाम्बियन एमराल्ड स्टोन और सोने की बॉंवर वाले इयररिंग्स, जिनकी अनुमानित कीमत 69 लाख रुपए है। दोनों गहनों की कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 35 लाख रुपए बताई गई है। सहार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चोरी मुंबई से दुबई, दुबई से न्यूयॉर्क की उड़ान के दौरान हुई या फिर उसके बाद किसी दूसरे स्थान पर है।

एमआरवीसी ने उत्साह से मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

कर्मचारियों ने अपनाया फिटनेस और माइंडफुलनेस का मंत्र

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुंबई रेलवे विकास निगम लिमिटेड (एमआरवीसी) ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ अपने कार्यालयों और परियोजना स्थलों पर मनाया।

एसआरएमडी का योगा उद्देश्य

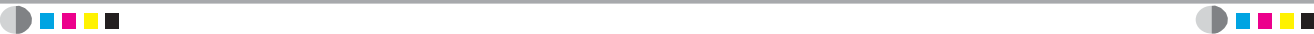
कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विलास सोपान वाडेकर ने किया, जिनके साथ निदेशक मनीष प्रधान, अभिषेक स्वामी, एच. एस. चतुर्देई, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। साथ ही, एमआरवीसी के विभिन्न फ़ील्ड कार्यालयों और परियोजना स्थलों पर भी योग सत्र आयोजित किए गए। चर्चते स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में यह कार्यक्रम श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमुपुर (एसआरएमडी योग) के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रमाणित प्रशिक्षकों राधिका और नितिका ने प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के अंतर्गत योग आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया, जिसका उद्देश्य शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और आंतरिक संतुलन को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का समन्वयन आनंद लोकेड, जेजीएम द्वारा कर योगा उत्सव मनाया गया।

हिंदमाता एंकर: रीलस्टार कहे जाने पर ओमराजे का छलका दर्द, फेल होगा ऑपरेशन टाइगर?

क्या सिर्फ चर्चा से मैं बुरा हो गया?

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर ने पुणे से धाराशिव प्रस्थान करने से पहले पत्रकारों से बातचीत की और पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर हो रही अपनी आलोचनाओं पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने भावुक होते हुए सवाल किया कि क्या महज तीन दिनों की चर्चाओं के आधार पर वह बुरे इंसान बन गए हैं? ओमराजे निंबालकर ने विशेष रूप से उन लोगों को आड़े हाथों लिया जो उन्हें 'सोशल



शाहिद कपूर और अमृता फडणवीस ने एनएससीआई डोम में किया योगाभ्यास

● सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

21 जून 2026 को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मायागरी मुंबई उत्साह और ऊर्जा से सराबोर नजर आई। इस विशेष मौके पर मुंबई के एनएससीआई डोम में एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र

शाहिद कपूर ने किया योगासनों का नेतृत्व

बॉलीवुड के फिट अभिनेताओं में शुमार शाहिद कपूर ने अमृता फडणवीस के साथ मिलकर इस विशाल योग सत्र का नेतृत्व किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ विभिन्न योगासन किए और नागरिकों को संदेश दिया कि शारीरिक और मानसिक मजबूती के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य समग्र स्वास्थ्य के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और लंबे समय तक निरोग रहने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना था।

ईस्टर्न फ्रीवे विस्तार परियोजना में बड़ा बदलाव

एमएमआरडीए ने 949 पेड़ों को बचाने का लिया फैसला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करते हुए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने 13.9 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न फ्रीवे विस्तार परियोजना के डिजाइन और एलाइनमेंट में महत्वपूर्ण बदलाव कर 949 वृक्षों को नई जिंदगी देने का फैसला किया है। इस बदलाव से मुंबई से समृद्धि महाभाग तक निर्वाध संपर्क का मार्ग प्रशस्त होने के साथ-साथ मुंबई-ठाणे के बीच यातायात व्यवस्था को भी बड़ी राहत मिलेगी। संशोधित योजना के तहत सैकड़ों पेड़ बेचेंगे, जबकि सीमित संख्या में वृक्षों को ही हटाना पड़ेगा। इससे पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी ढांचा विकास दोनों उद्देश्यों को एक साथ साधा जा सकेगा। एमएमआरडीए ने छेड़ानगर-घाटकोपर-आनंदनगर (ठाणे) ईस्टर्न फ्रीवे विस्तार परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। परियोजना के एलाइनमेंट और संरचना में तकनीकी संशोधन कर बड़ी संख्या में पेड़ों को बचाने में सफलता हासिल की गई है।

कई विकल्पों का एमएमआरडीए ने किया अध्ययन

एमएमआरडीए ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से परियोजना निरोजन के दौरान विभिन्न विकल्पों का अध्ययन किया। एलाइनमेंट में बदलाव के कारण सैकड़ों पेड़ों का संरक्षण संभव हो सका है। इसके अलावा नियमानुसार बड़े पैमाने पर प्रतिपूरक वृक्षारोपण भी किया जाएगा। करीब 13.9 किलोमीटर लंबी यह ईस्टर्न फ्रीवे विस्तार परियोजना मुंबई और ठाणे के बीच संपर्क को और मजबूत बनाएगी परियोजना से सड़क क्षमता बढ़ेगी, यातायात जाम में कमी आएगी, यात्रा समय घटेगा और सड़क सुरक्षा में सुधार होगा।

मराठी मुंबई बन जाएगी मुस्लिम मुंबई!

किरीट सोमैया की बड़ी चेतावनी, बोले बढ़ती मुस्लिम आबादी है खतरे की घंटी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के फायरब्रांड नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने महाराष्ट्र और विशेष रूप से मुंबई की बढ़ती जनसांख्यिकी को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा बयान दिया है। सोमैया ने जमीनी हकीकत का हवाला देते हुए चेतावनी दी है कि यदि वर्तमान स्थिति बनी रही, तो साल 2052 तक ‘मराठी मुंबई’ पूरी तरह से

मुंबई के इन इलाकों का किया जिक्र

अपने बयान में सोमैया ने मुंबई और उसके आसपास के उन इलाकों की लंबी सूची गिनाई, जहां उनके अनुसार जनसांख्यिकीय संतुलन बिगड़ रहा है। उन्होंने मानखुर्द, शिवाजी नगर, गोवडी, अनुगविठ नगर, गौनाड़ा, बहरामपाड़ा, नागपाड़ा और मोहम्मद अली रोड जैसे क्षेत्रों का विशेष उल्लेख किया। सोमैया ने यहाँ तक दावा किया कि मीरा रोड का नया नगर अब पूरी तरह से ‘मुस्लिम नगर’ बन चुका है। उन्होंने मुंठा, तलोड़ा, अमरावती और अकोला जैसे शहरों में भी इसी तरह के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।

पिता की हत्या और न्याय की लड़ाई

अपनी राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए ओमराजे ने कहा कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश थी और उन्होंने उसी दिन राजनीति में कदम रखा था। उन्होंने कहा कि 3 जून 2006 को उनके परिवार ने जो दर्द झेला था, वही पीड़ा उन्हें आज फिर महसूस हो रही है। अदालत के हालिया फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे न्याय के लिए मुंबई हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे, क्योंकि जो न्याय उनका परिवार मांग रहा था, वह अब तक नहीं मिल सका है।

साजिश और जिहाद के आरोप

सोमैया ने इस बदलाव को एक सुनिश्चित घड़ियंत्रा करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहर से करोड़ों रुपए भरात भेजे जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल लव जिहाद, लैंड जिहाद और वोट जिहाद के लिए किया जा रहा है। उनके अनुसार, महाराष्ट्र की वर्तमान स्थिति अत्यंत संवेदनशील है और हिंदू समाज को अब जागना ही होगा।

चुनाव चिन्ह ‘मशाल’ और हार का विश्लेषण

सांसद आमराजे निंबालकर ने स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने सवाल उठाया कि उनके लोकसभा क्षेत्र में एक भी पंचायत समिति या नगर पालिका मशाल चिन्ह पर क्यों नहीं जीत सकी? उन्होंने कहा कि मैं, कैलाश पाटिल और हमारे अन्य सहयोगी 24 घंटे जनता के लिए काम करते हैं। हमारे कार्यकर्ता अपराधी या झग डीलर नहीं हैं, फिर भी हमें हार का सामना क्यों करना पड़ा? मुझे इसी कारण की तलाश करनी है।

भविष्य का फैसला

ठाकुरे परिवार के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे उनके खिलाफ कभी क्रुध नहीं बोलेंगे। उन्होंने बताया कि वे धाराशिव के गोवर्धनवादी में अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और उनके साथ चर्चा करेंगे के बाद ही कोई बड़ा निर्णय लेंगे। फिलहाल, एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी ओमराजे को लेकर काफी आशावादी नजर आ रही है।

सड़क पर नमाज गलत तो रास्ता रोककर योग क्यों?

मुंबई में मस्जिद के बाहर रास्ते पर योग करने पर बरसी रागिनी नायक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जहां एक ओर पूरे देश में योग के विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए, वहीं मुंबई में एक अनूठे आयोजन ने नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। मुंबई की मशहूर मिनारा मस्जिद के बाहर भाजपा द्वारा आयोजित योग कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाया है। कांग्रेस नेता रागिनी नायक ने इस आयोजन के दोहरे मापदंड का प्रतीक बताते हुए तीखे सवाल खड़े किए हैं। दरअसल, योग दिवस के मौके पर मुंबई में मिनारा मस्जिद के ठीक बाहर की पूरी सड़क को घेरकर दरी और मैट बिछाई गई थी ताकि वहां मुस्लिम समुदाय के लोग योग कर सकें। इस कार्यक्रम को भाजपा द्वारा आयोजित किया गया था। इसी दृश्य पर प्रतिक्रिया देते हुए रागिनी नायक ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया। उन्होंने तर्क दिया कि जब मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क पर नमाज पढ़ते हैं, तो उसे गलत ठहराया जाता है और कार्रवाई को बात की जाती है, लेकिन वही सड़क जब योग के लिए घेरी जाती है, तो उसे बढ़िया माना जाता है।

नमाज पर बुलडोजर और योग पर वाहवाही

रागिनी नायक ने एनडीए शांति राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां रमजान के दौरान सड़क पर नमाज पढ़ने और कुर्बानी देने पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। उन्होंने याद दिलाया कि कई जगहों पर सड़क पर नमाज पढ़ने वालों को ‘बुलडोजर’ की धमकी तक दी गई थी। नायक का कहना है कि महाराष्ट्र में भी वही एनडीए की सरकार है जिसे सड़क पर नमाज से दिक्कत थी, फिर आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मस्जिद के सामने रास्ता रोककर योग कराना विरोधाभासी क्यों नहीं है?

विरोध का मुख्य स्वर

रागिनी नायक ने सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए पूछा, सड़क पर नमाज गलत तो रास्तों रोककर योग क्यों? उनके अनुसार, यह भाजपा की राजनीति का एक बड़ा विरोधाभास है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के लिए मुसलमान सड़क पर योग करना, तो बढ़िया है, लेकिन वही मुसलमान अगर सड़क पर नमाज पढ़ेगा, तो बुलडोजर तैयार है। यह मामला अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहाँ लोग धर्म, सार्वजनिक स्थान और सरकार के नियमों को लेकर अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। फिलहाल, मिनारा मस्जिद के बाहर हुए इस ‘योगा ऑन द रोड’ ने एक बार फिर देश में सड़कों के उपयोग और धार्मिक आयोजनों पर नई चर्चा शुरू कर दी है।

संभाजीनगर में खूनी खेल

म्हाडा कॉलोनी में पुरानी रंजिश में दिनदहाड़े फायरिंग और कोयते से हमला, 2 अरेस्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ छत्रपति संभाजीनगर

छत्रपति संभाजीनगर में सातारा क्षेत्र में बीते दिन शिवजयंती समारोह की पुरानी रंजिश को लेकर कोयता, चाकू व पिस्तौल से लैस युवकों ने दिनदहाड़े म्हाडा कॉलोनी में युवक पर कातिलाना हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दिनदहाड़े हुई घटना के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। पुलिस ने 2 आरोपियों संघपाल वाटोड़े व हर्षवर्धन इंगोले को दबोच लिया जबकि नाबालिग आरोपी की रवानगी बाल सुधार में की है। अदालत ने दोनों आरोपियों को 24 जून तक पुलिस रिमांड पर भेजा है।

आरोपी ने पकड़ने की कोशिश में किया वार

सुमित घोड़ेक (19) शुक्रवार दोपहर मित्र बालाजी जाधव व अक्षय राजगुरु संग बाइक से जा रहा था। सातारा पुलिस थाने के पास हाईवेर्ट कॉलोनी क्षेत्र में आरोपियों ने उन्हें रोका व गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। हथियार देखकर 3 युवक वहां से भाग निकले। आरोपियों ने सातारा पुलिस थाने के सामने से ही युवकों का पीछा शुरू किया। होलकर चौक से लेकर म्हाडा कॉलोनी तक बाइक पर यह पीछा जारी रखा सुमित ने चलते वाहन से बड़े भाई को फोन कर हथियारलेख आरोपियों के पीछा करने की जानकारी दी। म्हाडा कॉलोनी पहुंचने पर आरोपी वहां भी आ धमके नाबालिग आरोपी ने सुमित के बड़े भाई प्रसांत घोड़ेक पर कोयते से वार कर दिया। हालांकि, हाथ आगे कर उन्होंने जान बवाई, पर वार उनके हाथ पर लगने से हथेली गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रत्नागिरी में बड़ा हादसा 5 पर्यटक समुद्र में डूबे

हिंदमाता नेटवर्क @ रत्नागिरी

कोंकण रीजन के रत्नागिरी जिले के गणपतिपुलिस में बड़ा हादसा हो गया। यहां छत्रपति संभाजीनगर जिले के 5 पर्यटक समुद्र में डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। समुद्र में लापता हुए पांचों पर्यटकों की तलाश के लिए युद्धस्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रत्नागिरी जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गणपतिपुले में आज सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। पर्यटन के लिए आए 21 लोगों के समूह में से संभाजीनगर के 5 पर्यटक समुद्र में डूब गए। यह घटना आज सुबह लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, समुद्र के पानी और लहरों का सही अंदाजा न लग पाने के कारण यह हादसा हुआ।

पुलिस ने दी जानकारी

पुलिस के अनुसार, लापता युवकों की पहचान आदित्य राऊत, यश कांबले, अनिकेत हिवराले, प्रेम अदमे और आनंद नराडे के रूप में हुई है। सभी छत्रपति संभाजीनगर जिले के रहने वाले हैं। फिलहाल पावों की तलाश जारी है। परिवारों को घटना के बारे में जानकारी दे दी गई है और प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

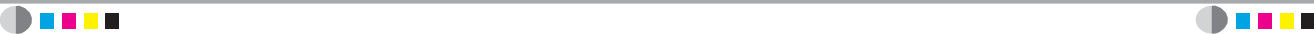
ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार देने की मांग

राज्यसभा सांसद नीरज डागी को झापन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

राजस्थान में ग्रामीण विकास को गति देने और ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त बनाने की मांग को लेकर आदर्श मानव एसोसिएशन ने राज्यसभा सांसद एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य नीरज डागी को झापन सौंपा। संस्था ने पंचायतों को अधिक अधिकार, वित्तीय स्वायत्तता और जवाबदेही प्रदान करने की मांग की। संस्था के अध्यक्ष धनश्याम पुरोहित आदर्श, महामंत्री जगदीश पुरोहित, राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार तथा शताब्दी गौरव फाउंडेशन के चेयरमैन सिद्धराज लोढा ने सांसद डागी से इस संबंध में आवश्यक नीति और

विधायी पहल करने का आग्रह किया। सांसद डागी ने ग्रामीण विकास विभाग के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का भरोसा दिलाया। झापन में पंचायतों को सौर ऊर्जा परियोजनाएं संचालित करने, वर्षा जल संचयन, सार्वजनिक परिसरपतियों के रखरखाव, वृक्षारोपण, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, कौशल विकास, स्वयं सहायता समूहों, कुटीर उद्योगों और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने जैसे अधिकार देने का सुझाव दिया गया है। संस्था का कहना है कि पंचायतों को अधिक अधिकार मिलने से विकेन्द्रीकृत शासन मजबूत होगा, स्थानीय रोजगार बढ़ेगा और सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।



विचार प्रवाह



आखिर में आप इससे नहीं मापे जाते कि आपने कितना काम लिया बल्कि इससे मापे जाते हैं कि आपने कितना काम पूरा किया।

- डोनाल्ड ट्रंप

संपादकीय

मानवीय क्षमताएं बढ़ाता है योग

शास्त्रों में उल्लेख है कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थ के लिए आरोग्य उत्तम मूल यानी मुख्य आधार है। इसका निहितार्थ यही है कि तन और मन में संतुलन बना रहे। आरोग्य यानी निरोगी रहना विकारों से मुक्त रहना है। यही हमारा स्वभाव है और उसे बनाए रखना हर प्राणी का कर्तव्य होता है। प्रकृति ने हमारी संरचना इसी प्रकार से तैयार की है, लेकिन आज के प्रतिस्पर्धी युग में उसके अनुरूप जीवन संचालन में समस्याएं आ रही हैं। विकार उत्पन्न हो रहे हैं। विकार बाधक होते हैं, जो आगे बढ़ने में रोड़ा तो अटकाते ही हैं, साथ ही हमारी शक्ति और ऊर्जा का अपव्यय भी करते हैं। इससे हमारा ध्यान अपने लक्ष्य से भटकता है। आज के तेजी से डिजिटल हो रहे युग में बच्चे-बूढ़े सभी आमतौर पर ध्यान के भटकाव की शिकायत करते मिलते हैं। उनका चित्त स्थिर नहीं रह पाता है। इसके फलस्वरूप कोई काम ठीक से नहीं हो पाता और स्मृति भी कमजोर पड़ने लगती है। दूसरी ओर यह सबका अनुभव है कि ध्यानावस्थित या दत्तचित्त होकर ही कोई कार्य सिद्ध किया जा सकता है। 'ध्यान देना' और कुछ नहीं, अपनी चेतना के सतत प्रवाह को एक दिशा में ले जाना है। हम ध्यान को किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना में केंद्रित या फोकस करते हैं। इसी क्रम में अंतर्जगत और बाह्य जगत के साथ तालमेल बैठाना यानी ठीक तरह और ठीक जगह जोड़ना-जुड़ना आज की सबसे बड़ी चुनौती हो रही है। आज पूरे विश्व में मनोरोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। ऐसे में योग-शास्त्र और उसकी साधना बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। योग का अर्थ है जुड़ना, परंतु हर तरह का जुड़ना आकस्मिक या जानबूझकर मिलने का संयोग हो सकता है। योग-शास्त्र के अनुसार योग एक विशेष प्रकार से सायास जुड़ने का नाम है। योग विद्या के आलोक में अंतर और बा' जगत के साथ हमारा रिश्ता नया ओजस्वी अर्थ प्राप्त कर लेता है। यम और नियम नैतिक जीवन जीने की प्रक्रिया बताते हैं तो आसन शरीर का रख-खाव और उसकी क्षमता को संवर्धित करने का काम करते हैं। प्राणायाम हमारे श्वास और प्राणिक ऊर्जा को व्यवस्था करते हैं। प्रत्याहार बाह्य दुनिया के साथ विवेकपूर्ण संबंध को नियमित करता है। ध्यान, धारणा और समाधि अंतरंग योग हैं, जो चेतना के परिष्कार को संभव बनाते हैं। इसीलिए महर्षि अरविंद कहते हैं कि 'पूरा जीवन ही योग है।' वे योग को समग्र जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सबसे जुड़कर ही अच्छी तरह से जीना संभव हो पाता है। उसके लिए आवश्यक तैयारी भी अनेक स्तरों पर करनी होती है। योग के जिस स्वरूप को महर्षि पतंजलि ने 'योग-सूत्र' में प्रस्तुत किया था, वह इसी तैयारी का माडल या नक्शा है। उसे अष्टांग योग कहकर वे यही कहना चाहते थे कि जैसे सभी अंगों से मिलकर शरीर बनता है, उसी तरह योग भी अनेक पक्षों से मिलकर बना है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि सबको मिलाकर ही योग की रचना पूर्ण होती है। किसी एक अंग (जैसे-आसन या प्राणायाम) मात्र को ही योग कहना अतिव्याप्त करने वाली बात है। इसलिए वह समझ और तदनुसार आचरण असंगत और दिश्र्भमित करने वाला होगा। खेत है कि आज इसी तरह का भ्रम फैला हुआ है। योग वस्तुतः स्वयं को नियमित एवं व्यवस्थित करने की ऐसी पद्धति है, जो हमें अपना वास्तविक स्वरूप वापस दिलाती है। योग की यात्रा के साथ हम अपने दृश्य को देखने के रूप में और स्वयं को द्रष्टा के रूप में ग्रहण करना शुरू करते हैं। दृश्य के मजबूत बंधनों से छुटकारा पाना आसान नहीं है। हमारा चंचल मन तो सदैव दृश्य के लिए हमारे द्वारा सजग चेष्टा जरूरी होती है। गीता की मानें तो उसके लिए गहन अभ्यास और दृश्य विषय के प्रति आकर्षण कम करना होगा। उसके साथ बर्ताव तो करना होगा, परंतु आंखें मूंदकर नहीं, अपितु विवेक के साथ। उसके साथ हमें अनासक्त भाव से व्यवहार करना होगा। आंख, कान और नाक आदि स्वभाववश देखने, सुनने और सूंघने का काम तो करेंगे, पर क्या और कितना देखें, सुनें और सूंघें, यह इन ज्ञानेन्द्रियों या बाहर उपस्थित विषयों पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह यांत्रिक ढंग से नहीं चलना चाहिए। आज जिस तरह बाजार हमारी जरूरतों को बता रहा है और हमें निर्देशित कर रहा है, वह सबके अनुभव का विषय है। भौतिक दुनिया के हमारे ज्ञान और आविष्कार की बदौलत आज हमारा दृश्य जगत तीव्र गति से अत्यंत गतिशील और निरंतर बदलने वाला होता जा रहा है। उसे देख और उससे जुड़ने के बाद जो रोमांच होता है, वह हमें अस्थायी दृश्य में सत्य के आभास देने के साथ उसे और हड़ता से बांधने वाला होता जा रहा है। भावी दृश्यों की शृंखला की कल्पना हमें उसकी अनित्यता, अस्थायित्व या मिथ्यापन को ढक लेती है। ऐसे दृश्य सतत अशांति को पैदा करते हैं, पर हमारी मजबूरी यह है कि दृश्य से बंधकर हम उनको क्लेश भी नहीं समझते, क्योंकि ऊपर से वे बड़े प्रिय लगते हैं। दृश्यों की विकराल विकट छाया हम पर इस तरह हावी होती जाती है कि हम उसी में खो जाते हैं।

आज का इतिहास



- 2002 - ईरान में आये भीषण भूकम्प में 500 से अधिक लोगों की मौत।

■ 2005 - पूरा ईराक विश्व धरोहर सूची में शामिल।

■ 2006 - अमेरिका ने मिसाइल रक्षा ण्णाली का सफल परीक्षण किया।

■ 2007 - सुनीता विलियम्स अपनी टीम के साथ धरती पर लौटीं।

■ 2008 -सैय्यद फकीर हुसैन को बालश्रम की केंद्रीय सलाहकार बोर्ड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

■ उत्पादक एवं निर्यातक देशों के संगठन ओपेक ने तेल की कीमत बढ़ाकर 137 डॉलर प्रति बैरल किया।

■ 2016- इसरो ने अंतरिक्ष में रचा इतिहास, लॉन्च किए 20 उपग्रह।

■ 1985 - मदीला गुरुमूर्ति - वाई. एस. आर. कांग्रेस पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।

■ 1985 - अनीता पौलदुरई - भारतीय महिला बास्केटबॉल
- टीम की पूर्व कप्तान हैं।

■ 1900 - गणेश घोष - भारतीय स्वतंत्रता सेनानी।

■ 1932 - अमरीश पुरी - भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता और खलनायक।

■ 1950 - टॉम आल्टर - भारतीय सिनेमा के अभिनेता थे।

■ 2005 - सुंदर सिंह भण्डारी - भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ थे।

■ 2000 - केदारनाथ अग्रवाल - हिंदी साहित्य की प्रतिगशील काव्य-धारा के एक प्रमुख कवि हैं।

■ 1994 - एल. वी. प्रसाद - भारतीय सिनेमा के सफल फिल्मकार, निर्माता-निर्देशक और अभिनेता।

■ 1988 - भर्दत आनंद कौसल्यायन - प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान, समाज सुधारक, लेखक तथा पालि भाषा के मूर्धन्य विद्वान।

■ 1932 - जगन्नाथदास 'रत्नाकर' - भारत के प्रसिद्ध कवियों में गिने जाते थे।

महाराष्ट्र पर मंडरा रहा जल संकट

मानसून की सुस्ती और एल नीनो का असर बढ़ा रहा चिंता

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

जून का चौथा सप्ताह शुरू हो चुका है, लेकिन कोंकण के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग तथा राज्य के एक-दो जिलों को छोड़ दें तो महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों में अब तक मानसून नहीं पहुंचा है। इससे गर्मी और उमस का असर बढ़ गया है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस वर्ष वर्षा सामान्य से कम रहने की आशंका है, जिससे जल संकट और कृषि क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

जलवायु परिवर्तन बना चुनौती

विशेषज्ञों के अनुसार एल नीनो के साथ-साथ बड़े पैमाने पर हो रही पुष्क कटाई और वातावरण में बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा भी चिंता का विषय है। इसके कारण वैश्विक तापमान लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। जलवायु परिवर्तन का असर अनियमित वर्षा, ओलावृष्टि और वर्षा के दिनों में कमी-बढ़ोतरी के रूप में दिखाई देता है, जिससे फसलों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

मौसम विश्लेषण से मिला संकेत

पिछले दो दशकों से कृषि मौसम का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों ने महाराष्ट्र के 15 मौसम केंद्रों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इनमें विदर्भ के वार, मराठवाड़ा का एक, पश्चिम महाराष्ट्र के छह, उत्तर महाराष्ट्र के तीन और कोंकण का एक केंद्र शामिल है। इस अध्ययन के आधार पर अनुमान लगाया गया है कि नागपुर, यवतमाल, पुणे और दापोली क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अच्छी वर्षा हो सकती है।

सकारात्मक संकेत भी मौजूद

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि हिंद महासागर द्विचु (आईओडी) सकारात्मक स्थिति में आता है तो वर्षा की स्थिति में सुधार हो सकता है। जापान और फिलीपींस की मौसम संस्थाओं ने भी ऐसे संकेत दिए हैं। यदि यह अनुमान सही साबित होता है तो संभावित सूखे की तीव्रता कम हो सकती है और किसानों को कुछ राहत मिल सकती है।

मानसून की रफ्तार थमी

अंडमान क्षेत्र में समय से पहले पहुंचे मानसून को आगे बढ़ने की गति नहीं मिल सकी। इसी कारण केरल में भी इसका आगमन विलंब से हुआ। महाराष्ट्र में रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग तक मानसून पहुंच चुका है, लेकिन वहां भी फिलहाल बारिश थम गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून का यह विराम पहले से अनुमानित था। अब सभी की निगाहें मानसून के पुनर्जीवन पर टिकी हुई हैं।



एल नीनो का बढ़ता प्रभाव

दुनिया की विभिन्न मौसम एजेंसियों ने एशिया में एल नीनो के कारण सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान जताया है। भारतीय मौसम विभाग ने पहले सामान्य वर्षा के 92 प्रतिशत और बाद में 90 प्रतिशत वर्षा का अनुमान जारी किया था। यदि इसमें संभावित त्रुटि को भी शामिल किया जाए तो वर्षा का स्तर 85 प्रतिशत तक सीमित रह सकता है। ऐसी स्थिति कई क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां पैदा कर सकती है।

चारा संकट की आशंका

यदि वर्षा में कमी बनी रहती है तो आने वाले महीनों में चारे का संकट उत्पन्न हो सकता है। इसका सीधा असर पशुधन और दुग्ध उत्पादन पर पड़ेगा। इसलिए पशुपालकों को अभी से चारा फसलों की योजना बनानी चाहिए ताकि फरवरी से जून 2027 के संभावित संकट काल में पशुओं के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध रह सके।

कुछ जिलों में कम बारिश की संभावना

विश्लेषण के अनुसार घुले साबित दो से तीन क्षेत्रों में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है। कुल मिलाकर वर्षा सामान्य के लगभग 98 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि मौसमीय मॉडल ने लगभग 5 प्रतिशत त्रुटि की संभावना को देखते हुए वास्तविक वर्षा 93 प्रतिशत तक रह सकती है। ऐसी स्थिति कई क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां पैदा कर सकती है।

हल्की जमीन के लिए फसलें

उथली और लगभग छह इंच गहराई वाली जमीन में मूंग, उड़द, मटकी और चवली जैसी दलहनी फसलें उपयुक्त रहेंगी। ये फसलें 80 से 100 दिनों में तैयार हो जाती हैं और कम वर्षा की स्थिति में भी अपेक्षाकृत बेहतर उत्पादन दे सकती हैं।

गहरी जमीन और सिंचित क्षेत्र

अधिक गहरी भूमि में कपास की खेती की जा सकती है। वहीं सिंचित क्षेत्रों में सब्जियां और प्याज जैसी नकदी फसलें ली जा सकती हैं। हालांकि इन फसलों के संबंध में अंतिम निर्णय अच्छी और स्थिर वर्षा शुरू होने के बाद ही लेना उचित रहेगा।

आंखनदेखी

ड्रैगन बोट फेस्टिवल के दौरान प्रतिभागी एक-दूसरे पर पानी उछालते हुए उत्साह और उमंग का प्रदर्शन करते नजर आए। पारंपरिक नौका दौड़ और गंगारंग आयोजनों के बीच यह अનોखी जल-क्रीड़ा आकर्षण का केंद्र रही। त्योहार में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाया।

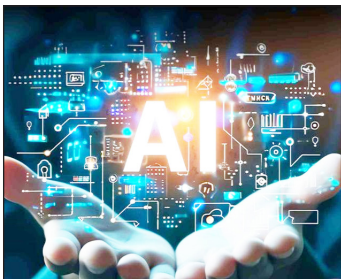


चीन का एआई शिक्षा मॉडल भविष्य की तैयारी का नया रास्ता

● कृत्रिम बुद्धिमत्ता को शिक्षा का आधार बनाकर चीन ने दिखाई दूरदृष्टि, दुनिया के लिए बना उदाहरण

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

चीन ने हाल ही में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग को ध्यान में रखते हुए अपनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यापक बदलाव किए हैं। इस नई नीति को पढ़ने पर केवल तकनीकी परिवर्तन ही नहीं, बल्कि एक राष्ट्र की दूरदृष्टि, भविष्य की तैयारी और सुनियोजित रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। नीति के निर्माण में शामिल विशेषज्ञों की तकनीक और शिक्षा पर गहरी पकड़ का प्रभाव इसके हर पहलू में नजर आता है।



रटने की नहीं, निर्माण की शिक्षा

दुनिया के अनेक देशों की शिक्षा व्यवस्था आज भी छात्रों को जानकारी याद करने और परीक्षा पास करने के लिए तैयार करती है। इसके विपरीत चीन का लक्ष्य ऐसे विद्यार्थियों को तैयार करना है जो बदलती दुनिया के निर्माता बन सकें। नई नीति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को केवल एक विषय के रूप में नहीं, बल्कि संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला के रूप में स्थापित किया गया है।

हर स्तर पर एआई साक्षरता

चीन ने छह वर्ष के बच्चों से लेकर विश्वविद्यालय स्तर के शोधार्थियों तक सभी को एआई साक्षर बनाने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य केवल तकनीक का उपयोग सिखाना नहीं, बल्कि छात्रों को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना है। इससे नई पीढ़ी तकनीक की उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसकी निर्माता बन सकेगी।

शिक्षा, शोध और उद्योग का संगम

चीन की नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग को एक ही शृंखला में जोड़ना है। विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और उद्योग जगत मिलकर विद्यार्थियों को वास्तविक समस्याओं पर काम करने का अवसर देते हैं। इससे छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं मिलता, बल्कि व्यावहारिक अनुभव और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कोशल भी विकसित होते हैं।

प्राथमिक स्तर से शुरुआत

चीन के एआई आधारित पाठ्यक्रम की शुरुआत प्राथमिक शिक्षा से ही हो जाती है। छोटे बच्चों को स्मार्ट तकनीक, डिजिटल उपकरणों और आधुनिक तकनीकी वातावरण से परिचित कराया जाता है। इससे वे प्रारंभिक अवस्था से ही तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने की क्षमता विकसित कर पाते हैं।

समस्या समाधान पर जोर

उच्च माध्यमिक स्तर पर छात्रों को एआई आधारित उपकरण और परियोजनाएं विकसित करने का अवसर दिया जाता है। इससे शिक्षा का केंद्र केवल जानकारी अर्जित करना नहीं रहता, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान तलाशना बन जाता है। यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाता है।

हर क्षेत्र में एआई का समावेश

चीन ने एआई को केवल कंप्यूटर विज्ञान तक सीमित नहीं रखा है। 'एआई एक्स' की अवधारणा के तहत चिकित्सा, कानून, कला, वित्त, इंजीनियरिंग और अन्य सभी क्षेत्रों में एआई को शामिल किया गया है। यह समझ लिया गया है कि भविष्य में हर पेशेवर को एआई की बुनियादी समझ होना अनिवार्य होगा।

नैतिकता और जवाबदेही पर बल

चीन की नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू 'एक्सलैब्रेट एआई' यानी ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता है जो अपने निर्णयों का कारण स्पष्ट कर सके। इससे तकनीकों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। इस मॉडल में तकनीक, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संतुलित समावेश दिखाई देता है।

भारत सहित दुनिया के लिए संदेश

चीन की यह शिक्षा नीति केवल तकनीकी बदलाव का दस्तावेज नहीं है, बल्कि भविष्य के समाज और अर्थव्यवस्था की तैयारी का खाका भी है। यह नीति बताती है कि यदि शिक्षा को समय की जरूरतों के अनुरूप ढाला जाए, तो वह किसी भी देश को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा सकती है। आज जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया को तेजी से बदल रही है, तब शिक्षा में ऐसे दूरदर्शी बदलाव की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

प्रेरक प्रसंग

पागल की डायरी



एक व्यक्ति कई वर्षों बाद अपने पुराने मित्रों से मिलने उनके गांव पहुंचा। वहां उसे पता चला कि छोटे भाई की तबीयत अब ठीक है, लेकिन कुछ समय पहले वह गंभीर मानसिक परेशानी से गुजरता था। बड़े भाई ने उसकी लिखी हुई डायरी दिखाते हुए कहा कि उसमें उसकी बीमारी का पूरा रहस्य छिपा है। डायरी पढ़ने पर पता चलता है कि युवक गहरे भय और भ्रम का शिकार था। उसे लगता था कि गांव के सभी लोग उसके खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं। उसे विश्वास हो गया था कि पड़ोसी, बच्चे, रिश्तेदार और यहां तक कि उसका अपना बड़ा भाई भी उसे मारकर खा जाना चाहते हैं। लोगों की साधारण बातें, मुस्कानें और निगाहें भी उसे किसी भयानक साजिश का संकेत लगती थीं। युवक का संदेह धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि उसने पूरे समाज को 'आदमखोरो' का समूह मान लिया। उसे लगता था कि इतिहास, धर्मग्रंथ और परंपराएं भी मनुष्य द्वारा मनुष्य को खाने की मानसिकता को छिपाती रहीं हैं। वह हर घटना में इसी भयावह सत्य को झलक देखाता था। गांव में हुई किसी पुरानी हिंसक घटना की कहानी सुनकर उसका विश्वास और मजबूत हो गया कि लोग वास्तव में उसे खत्म करना चाहते हैं। जब एक बैठे उसकी जांच करने आया, तब भी उसे लगा कि वह कोई चिकित्सक नहीं, बल्कि जल्लाद है, जो उसके शरीर का निरीक्षण कर रहा है। उसे अपने बड़े भाई पर भी भरोसा नहीं रहा। वह सोचने लगा कि भाई भी बाकी लोगों के साथ मिलकर उसे खाने की योजना बना रहा है। यहां तक कि उसे अपनी बचपन में मर चुकी छोटी बहन की मौत भी एक भयानक साजिश का हिस्सा दिखाई देने लगी।

- डायरी के अंतिम पन्नों में युवक बार-बार लोगों से आग्रह करता है कि वे 'आदमखोरी' छोड़ दें। उसके लिए यह केवल शरीर खाने की बात नहीं थी, बल्कि मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण, क्रूरता और संवेदनहीनता भी थी। वह चाहता था कि समाज दया, प्रेम और मानवता का मार्ग अपनाए। उसे विश्वास था कि यदि लोग नहीं बदले तो एक-दूसरे को नष्ट कर देंगे।

■ अंत में उसकी पुकार बेहद मार्मिक बन जाती है। वह कहता है कि जायद नई पीढ़ी के बच्चे अभी इस क्रूरता से अछूते हैं। इसलिए उन्हें बचा लेना चाहिए। यही संदेश उसकी डायरी की सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय निष्कर्ष बनकर सामने आता है।

राशिफल

मेघ- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनुनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

वृषभ-आज शत्रु अधिक सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। सतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। लापरवाही से काम न करें।

मिथुन- यात्रा, नौकरी व निवेश मनुनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएंगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कर्क- कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कास में नवीनता के भी योग हैं। सतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह- कानूनी अड़चन दूर होगी। अत्याचार में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनुनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दौपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रूझान बढ़ेगा।

कन्या- चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा।

तुला-जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय कार्य की बाधा दूर होगी। माता को बेवैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। पारिवारिक विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेगे।

वृश्चिक- बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी।

धनु- रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पुजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा हो सकती है।

मकर- आज बुरी खबर मिल सकती है। किसी भी तरह के विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ बनी रहेगी। पत्नी के आय में कमी होगी। किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्य पक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें।

कुंभ- मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले विद्यार्थियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सृजना होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें।

मीन-मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति विद्य प्राप्त करेंगे। बुद्धि वातुर्य से कटिण कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

भारत में ही मिला सोने का खजाना, इन 4 जगहों पर गोल्ड भंडार, कीमत हजारों करोड़ में

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत का दक्षिणी राज्य कुछ ही सालों में देश में सोने का सबसे बड़ा सप्लायर बन सकता है। यहाँ पर सोने का बड़ा भंडार मिला है, जल्द ही माइनिंग का काम भी शुरू हो जाएगा। दुनियाभर में सोने की बढ़ती मांग के बीच भारत में 50 टन सोने का भंडार मिला है। सोने का ये भंडार दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में मिला है। आंध्र प्रदेश कुछ ही सालों में देश में सोने का सबसे बड़ा सप्लायर बन सकता है। अधिकारियों का कहना है कि इससे देश में न सिर्फ गोल्ड प्रोडक्शन बढ़ सकता है बल्कि गोल्ड इंपोर्ट पर देश की निर्भरता कम होने की भी उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि अकेले कुरुनूल जिले के जोन्नागिरी गांव में करीब 50 टन सोने का भंडार मिला है।



गोल्ड माइनिंग के लिए जगहों की पहचान

माइंस विभाग के प्रधान सचिव मुकेश कुमार मीणा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सोने की माइनिंग के लिए जोन्नागिरी के अलावा चार अन्य संभावित जगहों की पहचान की गई है। इनमें रामागिरी, जयकुला और चिगुरुकुटा बिस्नाटम शामिल हैं। उन्होंने अनुमान जताया कि अकेले जोन्नागिरी में ही 50 टन सोना मौजूद है। इसीलिए आंध्र कुछ सालों में देश में सोने के सबसे बड़े सप्लायर बन सकता है। सरकार इन मिनरल-रिच जगहों की और खोज और विकास करने की प्लानिंग कर ही है।

जोन्नागिरी में 50 टन सोने का भंडार

जोन्नागिरी में सोने के कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने पर उन्होंने कहा कि कुरुनूल के इस गांव में करीब एक दशक पहले गोल्ड माइनिंग के लिए 1,500 एकड़ जमीन अलॉट हुई थी। लेकिन सिर्फ 500 एकड़ में ही सोने की खोज का काम किया गया। इस जगह पर करीब 13 टन तक सोना मिलने का अनुमान था। बाकी 1,000 एकड़ जमीन में सोना खोजने का काम भी जल्द शुरू होगा। अकेले जोन्नागिरी में कुल गोल्ड रिजर्व 50 टन होने का अनुमान है।

50 टन सोने की कीमत कितनी है ?

जोन्नागिरी में मिले 50 टन सोने के भंडार की घरेलू बाजार के हिसाब से अनुमानित कीमत 7,500 करोड़ रुपए से 9,000 करोड़ रुपए के बीच है। कीमतों में हर दिन होने वाले बदलावों की वजह से ये कम या ज्यादा भी हो सकती है। बड़ी संख्या में सोने का भंडार मिलने से घरेलू सोने के उत्पादन बढ़ने की संभावना है।

एक टन मटीरियल से निकलता है सिर्फ 1 ग्राम सोना मुकेश कुमार मीणा ने जोर देते हुए कहा कि गोल्ड माइनिंग के लिए बड़ी रकम के साथ ही बहुत ही खास नौलेज की जरूरत होती है। उन्होंने टेंडर के जरिए प्राइवेट कंपनियों को गोल्ड माइनिंग का काम सौंपने के सरकार के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में माइनिंग के जरिए सोना निकालने में काफी कमी आई है। इस दौरान निकाले गए एक टन मटीरियल की प्रोसेसिंग करने पर सिर्फ एक ग्राम सोना ही मिल पाता है।

जोन्नागिरी में जल्द होगी गोल्ड माइनिंग की शुरुआत

उन्होंने बताया कि पहले एक टन माइनिंग मटीरियल की प्रोसेसिंग से तीन ग्राम सोना मिलता था। 0.8 ग्राम से कम निकलना आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं होता था। उन्होंने ये भी बताया कि सीएम चंद्रबाबू नायडू इस महीने के आखिर में आधिकारिक तौर पर जोन्नागिरी गोल्ड माइनिंग की शुरुआत करेंगे।

कहीं गलत सेंटर पर पहुंची छात्राएं तो कहीं एक मिनट की देरी से छूटा एग्जाम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

परीक्षा में गड़बड़ियां और प्रश्नपत्र लीक हो जाने के कारण देशभर में मचे भारी बवाल के बाद राष्ट्रीय टैरिंगिंग एजेंसी की तरफ से रविवार (21 जून, 2026) को एक बार फिर से नीट यूजी 2026 की परीक्षा कराई गई, लेकिन इस परीक्षा में कई जगहों पर कुछ ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जहां अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए एग्जाम सेंटर पर एक मिनट, तीन मिनट या थोड़ी देरी से पहुंची और उन्हें सेंटर में प्रवेश करने नहीं दिया गया।



■ ताजा घटना कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की है, जहां नीट यूजी 2026 की परीक्षा देने वाली तीन छात्राएं अपने निर्धारित परीक्षा सेंटर का गेट दोपहर 1:30 बजे बंद होने के कुछ मिनट बाद पहुंचीं, लेकिन गेट बंद हो जाने के कारण उन्हें सेंटर में प्रवेश नहीं दिया गया। वहीं, परीक्षा हॉल तक पहुंचने की बेताब कोशिश में तीनों छात्राओं ने एग्जाम सेंटर के मुख्य गेट की रेलिंग पर चढ़कर परिसर के अंदर छलांग लगा दी। हालांकि, जब वे सेंटर परिसर का पहला गेट फांदकर अंदर पहुंचीं, तब उन्हें पता चला कि एग्जाम सेंटर की तरफ जाने वाला दूसरा गेट भी बंद कर दिया गया है, जिसके कारण तीनों छात्राएं सेंटर पर परीक्षा देने के लिए पुस नहीं पाईं। इसके बाद तीनों छात्राओं को परिसर की दीवार फांदकर बाहर निकलते हुए भी देखा गया।

भोपाल में एक मिनट से छात्रा की छूट गई नीट परीक्षा

इसी तरह की एक दूसरी घटना मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से भी सामने आई। जहां नीट यूजी 2026 री-एग्जाम की एक अभ्यर्थी छात्रा परीक्षा देने से चूक गईं। दरअसल, यह मामला भोपाल के सुभाष एक्सलेंस स्कूल सेंटर का है, जहां नीट परीक्षा के लिए छात्रा सिर्फ एक मिनट की देरी से एग्जाम सेंटर पहुंचीं। जिसके बाद उसे परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने नहीं दिया गया। जब मात्र एक मिनट की देरी से कारण बेटी को परीक्षा सेंटर में प्रवेश नहीं दिया गया, तब लड़की के पिता ने मौके पर तैनात जवानों से अंदर जाने देने की विनती की। उन्होंने कहा कि गलती से दूसरे सेंटर पर पहुंच गए थे। हालांकि, काफी कोशिश करने के बाद भी छात्रा को एग्जाम सेंटर में एंट्री नहीं मिली।

जहां सांसें भी जम जाती हैं... वहां योग करते दिखे भारतीय सेना के 'चार पैरों वाले योद्धा'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

योग दिवस पर दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर एक अलग ही सीना चौड़ा करने वाली तस्वीर देखने को मिली। चारों ओर बर्फ की सफेद चादर, हड्डियां जमा देने वाली ठंड, माइन्स तापमान और सन्नाटे के बीच भारतीय सेना के 'सियाचिन सिनफर्स' यानी चार पैरों वाले जांबाज योद्धा अपने हैंडलर्स के साथ योग करते नजर आए। यह सिर्फ योग का अभ्यास नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि हालात कितने भी कठिन क्यों न हों, आत्मबल और अनुशासन सबसे बड़ी ताकत होते हैं। सियाचिन में तैनात सैनिक और सेना के प्रशिक्षित डॉग्स हर दिन बर्फमलेँ तूफानों, ऑक्सीजन की कमी और माइन्स से कई डिग्री नीचे तापमान जैसी कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं। ऐसे माहौल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित विशेष योग सत्र ने दिखाया कि मानसिक एकाग्रता, शारीरिक संतुलन और धैर्य केवल युद्धभूमि में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर कठिन मोड़ पर सबसे बड़े हथियार हैं। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स की ओर से शेयर की गई इस पहल ने सैनिकों और उनके चार पैरों वाले साथियों के अटूट तालमेल को भी दुनिया के सामने रखा।

ये सिर्फ डॉग्स नहीं, सेना के हीरो हैं



चोटियों पर ये चार पैरों वाले योद्धा अपने हैंडलर्स के साथ हर खतरे का सामना करते हैं। योग दिवस पर उनकी मौजूगी ने यह प्हसास भी करायी कि देश की सुरक्षा में इन बेजुबान सैनिकों का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना सीमा पर तैनात जवानों का।

'सियाचिन सिनफर्स' भारतीय सेना के वे प्रशिक्षित डॉग्स हैं जो दुर्गम इलाकों में विस्फोटकों का पता लगाने, खोज और बचाव अभियान चलाने और संवेदनशील मिशनों में सैनिकों का साथ निभाते हैं। बाकीलीं

वोट देने के अधिकार को मिले मौलिक अधिकार का दर्जा: कांग्रेस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि यह कदम मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) के तहत विभिन्न राज्यों में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर कठिन मोड़ पर सबसे बड़े हथियार हैं। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स की ओर से शेयर की गई इस पहल ने सैनिकों और उनके चार पैरों वाले साथियों के अटूट तालमेल को भी दुनिया के सामने रखा।

■ उन्होंने याद दिलाया कि संविधान सभा ने सरदार पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों और जनजातियों एवं अवर्जित क्षेत्रों पर एक सलाहकार समिति का गठन किया था। इक्कीस-22 अप्रैल 1947 को हुई इसकी बैठक में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने पर तीखी बहस हुई थी, जिसमें डॉ. भीमराव आंबेडकर और बाबू जगजीवन राम ने इसके पक्ष में पुरजोर दलीलें दी थीं। रमेश ने कहा कि सरदार पटेल, सी. जगन्नाथलालाचारी और कुछ अन्य नेताओं का मानना ​​था कि यदि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बना दिया गया, तो रियासतें भारतीय संघ में शामिल होने में झिझक सकती हैं, और संविधान में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान करना ही काफी है।

■ उन्होंने कहा, "सरदार पटेल ने खुद यह रुख अपनाया था कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपने आप में एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार है। यही अनुच्छेद 326 की पृष्ठभूमि है, जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनावों का प्रावधान करता है।" कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले सात दशकों से इस बात पर लगातार बहस चल रही है कि मतदान का अधिकार जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 द्वारा प्रदान किया गया एक वैधानिक अधिकार है या यह एक स्पष्ट मौलिक अधिकार है। रमेश ने रेखांकित किया, "विभिन्न हडिकोंण व्यवस्त किए गए हैं। मार्च 2023 के 'असुग बरनवाल बनाम भारत संघ' के फैसले में (शीर्ष अदालत की पीठ में शामिल) न्यायमूर्ति अजय रमोहन ने अपनी असहमति की राय में माना था कि मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।



■ रमेश ने तर्क दिया, "इसने (शीर्ष अदालत ने) मत की गोपनीयता की रक्षा की है और नोटा (इन विकल्पों में से कोई नहीं) के माध्यम से सभी उम्मीदवारों को खारिज करने के अधिकार को मान्यता दी है। इसलिए, यह और भी अधिक अग्रगत है कि मतदान का अधिकार केवल एक वैधानिक अधिकार बना हुआ है। इससे मिलते जुलते सभी अधिकारों को मौलिक घोषित कर दिया गया है, लेकिन वैसा मूल अधिकार जिसके बिना पहले वाले (अधिकार) अस्तित्व में नहीं रह सकते, वह अब भी वैधानिक (अधिकार बना) है।" उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के इशारे पर काम कर रहे भारत के निर्वाचन आयोग के घोर पक्षपातपूर्ण कामकाज के पूरी तरह उजागर होने के बाद, अब समय आ गया है कि मतदान के अधिकार को एक मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाए। "यह कदम 'एसआईआर' प्रक्रिया के तहत विभिन्न राज्यों में 'अत्यधिक संख्या' में मतदाताओं के नाम हटायें जाने या उन्हें जानबूझकर अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने में एक शक्तिशाली कदम होगा।

हिंदमाता एंकर: जांच से जुड़ी डेली रिपोर्ट - जिसमें ट्रस्ट के अधिकारियों और जांच से जुड़े अन्य लोगों से पूछताछ की जानकारी शामिल है...

राम मंदिर चंदा विवाद: एसआईटी का ट्रस्ट के पदाधिकारियों को निर्देश- जांच पूरी होने तक अयोध्या छोड़कर न जाएं

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले फंड में कथित हेराफेरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और मंदिर से जुड़े लोगों को अयोध्या न छोड़ने का निर्देश दिया है। मंदिर के सूत्रों के मुताबिक, तीन सदस्यों वाली एसआईटी ने रविवार को लखनऊ रवाना होने से पहले यह निर्देश जारी किया। मंदिर के सूत्रों के अनुसार, जांच से जुड़ी डेली रिपोर्ट - जिसमें ट्रस्ट के अधिकारियों और जांच से जुड़े अन्य लोगों से पूछताछ की जानकारी शामिल है - को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखा गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को सौंपने से पहले इस रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि एसआईटी रोज अपनी रिपोर्ट सीएमओ भेज रही है।



क्या-क्या जांच कर रही है एसआईटी?

न्यून एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि एसआईटी की जांच सिर्फ कथित तौर पर फंड के गबन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मंदिर ट्रस्ट की ओर से अलग-अलग वर्णों में जमीन की खरीद और मंदिर के लिए निर्माण सामग्री की खरीद भी शामिल रही। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट ने बाजार भाव से लगभग 500 से 800 प्रतिशत अधिक कीमत पर करीब 71 एकड़ जमीन खरीदी है। कथित तौर पर मंदिर ट्रस्ट ने बाजार भाव से ज्यादा कीमत पर जमीन खरीदी थी। समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी समेत कई राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था।

अब तक जांच में क्या सामने आया?

सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में भगवान राम को चढ़ाए गए सोने, चांदी के आभूषणों, हीरे और अन्य कीमती पत्थरों के रिकॉर्ड में कथित गड़बड़ी सामने आई है। सूत्रों ने बताया, 'ट्रस्ट के पदाधिकारी सोने, चांदी और अन्य आभूषणों और कीमती पत्थरों से संबंधित रिकॉर्ड पर एसआईटी को संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।' सूत्रों के मुताबिक, सबसे बड़ी कथित अनियमितता कुंभ मेले के दौरान सामने आई, जब करीब दो महीने की अवधि में राजाना लगभग 10 लाख श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे थे और दान पेटियां दो घंटे के भीतर ही नोटों से भर जाती थीं।

डिजिटल सबूत जुटाना सबसे बड़ी चुनौती

एसआईटी को डिजिटल सबूत जुटाने में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि मंदिर परिसर का सीसीटीवी फुटेज केवल 45 दिनों तक ही स्टोर रहता है, जिसके बाद रिकॉर्डिंग अपने आप डिलीट हो जाती है। इससे एसआईटी के लिए पुराने वीडियो रिकॉर्ड तक पहुंचना लगभग नमामुमकिन हो गया है। सूत्रों के अनुसार, बैकअप सिस्टम में रिकॉर्डिंग सिर्फ 45 दिन तक सुरक्षित रहती है। नतीजतन, एसआईटी पिछले महीनों या पुराने वीडियो नहीं देख पा रहे हैं। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो गया है कि कथित गबन कब शुरू हुआ और कितने समय तक चला। सूत्रों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के साथ छेड़छाड़ के संकेत भी मिले हैं। डिलीट या बदले गए डेटा को हासिल करने की कोशिश की जा रही है।

13 जून को बनाई थी एसआईटी

अयोध्या राम मंदिर में मिले दान में हेराफेरी के आरोपों के बाद, मंदिर ट्रस्ट की गुजारिश पर 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने एक एसआईटी बनाई थी। इस एसआईटी में लखनऊ डिजिटल कम्पनर विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किंरग एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं।

हम बार परीक्षा को सबसे बड़ी खानियत बाईट के मानिनिस्त्रि सिस्टम है। पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में एक अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहाँ से राज्य स्तरीय समन्वय समिति और राष्ट्रीय परीक्षा आयोग के अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर लेगी सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड देखेंगे। लाइव टेलीस्ट्रीमिंग सिस्टम के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी, जिससे परीक्षा प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनी रहे। अधिकारियों के मुताबिक, पेपर लीक और परीक्षा में अभियंमिताओं की आशंकाओं को देखते हुए इस बार सुरक्षा और निगरानी के मानकों को पहले से कई गुना अधिक सख्त बनाया गया है।

एक तरीके से परिवार है, आपने हर चीज पूरी प्लानिंग के साथ बनाई है। सरकारी पैसे का उपयोग आपने यह दिखाकर किया कि आप इस ट्रस्ट में सोशल वर्क की तरह काम करना चाहते हो, लेकिन जांच में सामने आया कि इस यूनिवर्सिटी का इस्तेमाल सिर्फ और सिर्फ राजनीति के लिए किया गया। इस यूनिवर्सिटी में किसी तरीके का आज तक कोई सोशल वर्क या जो सरकार के नियम होते हैं, उनके आधार पर नहीं किया गया। जोहर यूनिवर्सिटी में 350 एकड़ से ज्यादा जमीन है। यूनिवर्सिटी 560 एकड़ में है। 350 एकड़ से ज्यादा भूमि सरकारी है, जिसे हम मैक्सिम में साबित कर चुके हैं। इसके अलावा लोकेशन यूनिवर्सिटी की जो बिल्डिंग है, लाइट इंजर इनकम टैक्स ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा था कि यह सारी बिल्डिंग सरकारी पैसे से बनी है। आकाश स्वप्नेसा ने कहा कि अगर नोटिस जारी होता है तो उसका जवाब देना चाहिए।

बैरबर में भोजपुर के वंचित भरत भूषण तिवारी एनकाउटर मामले में अब एक नया और रहस्यमयी मोड़ सामने आया है। पुलिस एनकाउटर में मारे गए भरत तिवारी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में भरत अपनी अंतिम इच्छा जताते करते हुए न सिर्फ शरीर दान की बात करते हैं, बल्कि अपने मोबाइल फोन को लेकर भी ऐसा दावा करते हैं, कि जोसोड़कर किं नर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में भरत तिवारी कहते सुनाई देते हैं कि उनकी भीमत के बाद उनको शरीर को सबसे पहले भारतीय सेना को दान किया जाए। यदि ऐसा संभव न हो तो भारतीय पद असाहय लोगों के हित में उनके शरीर का उपयोग किया जाए। लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उत्पन्न मोबाइल फोन को लेकर कहीं गई बात की हो रही है। भरत वीडियो में साफ कहते हैं कि उनको जाने की बाद उनका मोबाइल माता-पिता के अन्तर्गत किया जाए और के हाथ में नही चला-पिटा है। उनका दावा था कि फोन में ऐसे प्रमाण और जानकारीया मौजूद हैं, जिन्हें मिटाया या झुठलाया जाना जाता। भरत का कहना था कि इन्होंने हर महत्वपूर्ण जानकारी और साक्ष्य को सुरक्षित रखने के लिए अपने मोबाइल का इस्तेमाल किया है। वायरल वीडियो में भरत तिवारी ये कहते हुए जाहज आ रहे हैं कि मेरे जाने के बाद किसी और के हाथ में नही लगना चाहिए। यह मेरा साक्ष्य है, मेरा इतिहास है, मेरी मिटायी नहीं जा सकता। वीडियो में भरत तत्कालीन मुख्यमंत्री पर भी सवाल उठाते दिखाई देते हैं और यह कहते हैं कि वह किसी दबाव, तालच या धमकी से पीछे हटने वाले नहीं हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर उस मोबाइल में ऐसा क्या था, जिसे लेकर भरत इतने विचिंचित थे ?

दहेज और घरनुलु हलसल कल मलक दहनकल
कल एलल बलहन ललसल हल। डडलल थलनल कुषल के
सलसलत अशुक नरल ले शलदी के डख वलर-पलं
वलसन बलद हल अङुलल नलम की एक वलवलहल की
सलरलकुष परलसलतलले ले मलत हल। मुतुकल के
डलके वललल कल डीभरी अरुल हल के सुरुलल वललल
ले अङुलल को खबरन जहरलील पदलथ पललकर
नलम के घट उतरल हल। हलतत डलगने पर महलल
को असुतलल ले डती करलल गल थल, जहल इललज
के दरलन उसने दल तलद दलल। इस घनलने के
दलसे से पीडलत परलवर ले कोहरलम डल हुअ हल।
मुतुकल के डलई रलहत ने रलते-बलखतले हुए पुलंस
को बनलल कल उनेलने अपनी बहन अङुलल की
ललल शलदी वलर-पलं सलल पहले बड़े हल अरुमलने और
सलसलडलक रलती-रलवलने के सलथ रलहन नलमक
दलवुलक से ती थली। लेलनन शलदी के कुलष डलसे बलद
हल सुसुरलल पक्ष के ललनल अपनी असली अङुलल
पर उतर आए। वे लगतलर कीमती सलमलन और
लकडी के रुप ले अतलरकल दहेज की डलंग करने
ललये थे। डलंग पूरु न होने पर अङुलल को आल दलन
सरलरल और डलनलरक रुप से बेचही से प्रलडलत
कलब जनल थल। डलई कल आरुप हल के अलखकर
जलब उतली नलजयध डलसे पूरी नहीं हुई, तो उन्होने
खुलननन ले अकर अङुलल को खबरन जहर दे दलल।

उसने स्वीकार किया कि घी में मिलावट कर उसे तैयार किया जाता था और इसकी सप्लाई मुख्य रूप से आगरा के रावतपाड़ा बाजार में की जाती थी।

गौरलखंड है कि आगरा का रावतपाड़ा प्रदेश के प्रमुख थोक बाजारों में शामिल है। यहां से खाद्य सामग्री की सप्लाई न केवल आगरा बल्कि अलीगढ़, भरतपुर और वाराणसी समेत कुछ शहरों तक होती है। ऐसे में नकली ची की सप्लाई का खुलासा होने के बाद खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आगरा जाईदा जा रही है कि यह विषय मिलातली की बड़ी संख्या में लोगों की रसोई तक पहुंच चुका होगा। खाद्य विभाग ने बरामदे की और अन्य सामग्री के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग की इस कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कण मचा हुआ है, वहीं आम लोगों ने भी खाद्य विभाग की इस कार्रवाई का स्वागत किया है।

सोचिए, मुनाफे के लिए लोगों की सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ किया जा रहा था। अगर खाद्य विभाग की कार्रवाई न होती तो यह नकली घी हजारों घरों तक पहुंच सकता था।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल से जारी किया। इससे जिले के 637820 किसान लाभान्वित हुए। कृषि विज्ञान केंद्र कोटवा के अलावा पीएम के कार्यक्रम को सजीव प्रसारण सभा विकास खंडों, ग्राम पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर कराया गया। इसमें बड़ी संख्या में किसानों ने प्रतिभाग किया। केवीके कोटवा में कृषि वैज्ञानिकों ने सामाजिक खेती के माध्यम से किसानों को आय बढ़ाने, भूमि की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दिया। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने बताया कि पीएम किसान योजना किसानों की आय में वृद्धि करे और कृषि निवेश में उनकी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित है।

बरेली में एक युवा जोड़े ने शनिवार को जहाँ
खाकर जान दे दी, क्योंकि उनके परिवारों ने
उनके रिश्ते और शादी करने की योजना का
विरोध किया था। इस बात की जानकारी एक
पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज़ एजेंसी को दी
यह घटना भोजीपुरा पुलिस स्टेशन इलाके के
मकरंदपुर गांव में हुई। अधिकारियों ने बताया कि
महिला को मौत मौक पर ही दो गार्ज, जबकि पुरुष
को मौत बाद में इलाज के दौरान हुई।

पुलिस अधीक्षक (उत्तर) मुकेश चंद मिश्रा ने बताया कि पुलिस को दोपहर करीब 3.30 बजे अज्ञात महिला कि मकदपुर गांव के एक घर से दो लोगों ने जहर खा लिया है। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि आटा मंडा गांव की रहने वाली मेधा (19) और मकदपुर के रहने वाले रिंकू (20) खेत में बेहोश पड़े थे। पुलिस के पहुंचने तक मेधा की मौत हो चुकी थी, जबकि रिंकू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम उसकी मौत हो गई। फिलहाल शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच चालू रहि है।

शुरूआती जांच से पता चला है कि दोनों एक ही समुदाय के थे और रिलेशनशिप में थे। पुलिस के अनुसार परिवारों ने ३ नवंबर को शोरिफ किया था क्योंकि वे रिश्तेदार थे। रिफू के भाई वीटी ने आरोप लगाया कि वह जोड़ा लगभग ५ महीनों से रिलेशनशिप में था। उसने दावा किया कि महिला के परिवार ने इस रिस्ते पर आपत्ति जताई थी, उसके साथ भागीदारी की थी और उसका मोबाइल फोन छीन लिया था। परिवार के सदस्य के अनुसार महिला ने रिफू से संपर्क किया और जौर दिया कि या तो वे साथ भाग जाए या अपनी जान दे दें। जिसके बाद दोनों ने जहर खा लिया। पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान परिवारों का पहलू सामने आया है और परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य सबूतों के आधार पर अग्रे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के अलागम में पुलिस को घर से गायब नाबालिग लड़कियों को बरामद करने में कलता मिली है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ऑपरेशन स्माइल के तहत चारों लड़कियों को कुशल बरामद किया। बरामद की गई लड़कियाँ 7, 8, 9 और 10 क्लास की छात्रा हैं। बरामद लड़कियों की उम्र 12 से 14 वर्ष के बीच बताई गई है। पुलिस टीम ने लगभग 110 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल के बाद लड़कियों को बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, चारों लड़कियों को मथुरा जिले के मुंदाबन से सकुशल बरामद किया गया है। एसएसपी के निदेश पर लापता लड़कियों की तलाश के लिए पांच टीमों का गठन किया गया था। एसएसपी ने पेलिस

एसएसपी नीरज जादवन के निदेश पर तुरंत पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया। ऑपरेशन स्माइल के तहत तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने लगभग 110 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की पड़ताल की और अन्य स्रोतों से जानकारी जुटाई। लगभग 15 घंटे के अंदर चारों लड़कियों को जन्पद मथुरा के वृंदावन से सफल बरामद कर लिया गया।

एसएसपी नीरज जादौन ने सफल टीम को 25,000 के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। एसएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि लड़कियां परिजनों की डांट या धरेलू कारणों से घर से चली गई थीं, कोई अपहरण जैसी घटना नहीं हुई है।

वारणसी में काशी रेलवे स्टेशन रिडेलोपमेंट प्रोजेक्ट के तहत वहां मौजूद मकानों में मजिन्दों और मंदिरों को हटाया जा रहा है। इस बीच एक और मामला सामने आ गया है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से एक दिन पहले पूरे बनारस के बारे में एक पोस्ट जारी किया गया, जिसके बाद मजिन्द का मुद्दा उठ गया। आसिफ अली ज़रदारी के एक्स हैंडल पोस्ट में बनारस में मजिन्द के खिलाफ रैलियों को कार्रवाई पर कड़ी आपसित जताई गई। काशी में रेलवे प्रशासन और मजिन्द के बीच चल रहे विवाद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति कूद पड़े हैं, जिससे विवाद गहरा गया है। बता दें, कि रेलवे प्रशासन एक मजिन्द को पहले ही गिरा चुका है। और अब एक और मजिन्द हटाने के लिए मौल्य जाँच जारी किया गया है।

रेलवे के नोटिस कहा गया है कि कारी स्टेशन आधे को सूचित करेगा। नोटिस के बाद स्टेशन के पहले प्लेट पर टी की ओर / सगलेटिंग परिया के पास) रेलवे भूमि पर अवैध रूप से निर्माण बनाई गया है जो कि, कारी रेली स्टेशन पर चल रहे सिडिक्टमेंट प्रोजेक्ट में बाधा बन रही है। इस संबंध में मूलवाद संख्या- 1174/1991 अनुक्रम इन्तेजायिया बनाव यूनियन ओर इंडिया मनीयल-न्यायालय सिविल जज (जू.डी.) शहर वागपसी के न्यायालय में चल रहा। इस केके को न्यायालय ने 24 अप्रैल 2024 को खारिज कर दिया था। रेलवे प्रशासन ने रेलवे भूमि पर अवैध रूप से बने हुए मजिद को हटाने का निति किया गया है। अतः आप से अनुरोध है कि 20 जून 2026 तक अवश्य हटाने में अनुरोध रेलवे प्रशासन बात उत्तर निति के बाद करी भी दिन मजिद हटाने ओर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। नोटिस के जारी होने के बाद अब मोहलत पूरी होते ही कभी भी मजिद को गिराया जा सकता है। इसके मामलों में मजिद की ओर से भी जवाब दायित्व किया गया है।

जवाब में कहा गया है कि रेलवे प्रशासन की ओर से जारी कथित नोटिस पर न तो किसी अधिकारी के हस्ताक्षर हैं और न ही जारी करने की तारीख। नोटिस में जिस मुद्देमें (उस हदाने के मामले) का जिक्र है, वह मस्जिद के पूर्व में स्थित जमीन से जुड़ा था। मस्जिद का उस मुद्देमें से करने वाला है। आगे यह भी कहा गया जफिर मस्जिद के अस्तित्व और उस मस्जिद 1034 में बनाई गई थी और के मेस में भी दिखाई देती है। रेलवे रेलवे के आने से पहले से मौजूद थी। विरोध कर रही है कि मस्जिद अवैध

राष्ट्रपति आसिफ अली जदवरी ने भारत में ऐतिहासिक मुस्लिम धार्मिक स्थलों जिनमें वाराणसी की 1,000 साल पुरानी मस्जिद गज़ी शहीम दी शमित है, उसे गिरा ज़माने और उन्हें दी ज़ा रही धर्मकथों पर गहरा पिट जताई। राष्ट्रपति ने भारत से ऐसी कारावांइयां तुरंत रोकने को कहा और चेतावनी दी कि इससे भारत के टूटने और वहां संहार के लिए अरजतका फैलने का खतरा बढ़ा होगा। उन्होंने ऐसी कारावांइयों को तुरंत रोकने और अव्यवस्थितों के अधिकारों व साझा सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा करने की अपील की। बनारस के इस झूठे पर पाकिस्तान के राष्ट्रपति के पोटर करने से पुलिस प्रशासन और मुस्लिम धर्म गुरुओं की ओर से अप्रतिश जताई गई है। उनका कहना है कि यह मामला रेलवे और मस्जिद प्रशासन के बीच का है। इसमें पाकिस्तान के राष्ट्रपति की ओर से आपत्तजनिक पोटर करना द्वेष पूर्ण है।

यूएस में भारतीय मूल के युवक ने परिवार पर बरसाई गोलियां

माता-पिता और दादी की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ वाॅशिंगटन

अमेरिका के टेक्सास से एक बेहद चौंकाने वाली वारदात सामने आई है, जहां भारतीय मूल के एक 19 साल के लड़के ने कथित तौर पर फायरिंग कर अपने ही माता-पिता और दादी की जान ले ली। इस खौफनाक घटना के बाद पुलिस ने आरोपी लड़के को गिरफ्तार कर लिया है। केआरजीवी 5 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी की पहचान गौरव चोपड़ा के तौर पर हुई है। उसने कथित तौर पर अपने पिता स्वीरा राम अपनी मां कमलेश रानी और अपनी दादी मिंद कौर को गोली मार दी। बताया जा रहा है कि उसने अपने भाई पर भी गोली चलाई, लेकिन वह हमले से बच गया और उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर उन्हें दो लोग मृत मिले और आरोपी घटनास्थल से भाग गया था। पुलिस स्वीरा राम को अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। चोपड़ा की गिरफ्तारी एक कार चेज के बाद हुई, जिसमें दो लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के मुताबिक चोपड़ा की तेज रफ्तार कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी थी।

आसमान से समुद्र तक, ताइवान के पास चीनी सेना की घुसपैठ!

फाइटर जेट्स-युद्धपोत तैनात

हिंदमाता नेटवर्क @ ताइवान

ताइवान के आसपास चीन की सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार सुबह बताया कि उसने अपने आसपास 2 चीनी सैन्य विमानों, 8 चीनी नौसैनिक युद्धपोतों और 4 सरकारी जहाजों को मौजूदगी दर्ज की है। ताइवानी सेना ने इन सभी गतिविधियों पर नजर रखी और जवाबी कदम उठाए। ताइवानी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रविवार सुबह 6 बजे तक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दो विमान और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के आठ जहाज ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी और बताया कि ताइवान की सशस्त्र सेनाएं पूरे घटनाक्रम पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। इससे एक दिन पहले शनिवार को भी चीन की सैन्य मौजूदगी दर्ज की गई थी। ताइवान ने 5 चीनी सैन्य विमानों, 9 युद्धपोतों और 5 सरकारी जहाजों का पता लगाया था। इनमें से एक विमान ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार करते हुए ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जेन में भी प्रवेश कर गया था। इसके बाद ताइवानी सेना ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की।

चीन-ताइवान के बीच क्या विवाद है?

ताइवान को लेकर चीन और ताइपे के बीच विवाद दशकों पुराना है। बीजिंग ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और भविष्य में उसके एकीकरण की बात करता है। वहीं ताइवान खुद को एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक प्रशासन के रूप में संचालित करता है, जिसकी अपनी सरकार, सेना और आर्थिक व्यवस्था है। विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के वर्षों में चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य दबाव बढ़ाया है। लगातार फाइटर जेट, ड्रोन और युद्धपोत भेजकर बीजिंग अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। इसके जवाब में ताइवान भी अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत कर रहा है। ऐसे में ताइवान स्ट्रेट एक बार फिर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सबसे संवेदनशील सुरक्षा मुद्दों में से एक बनता जा रहा है।

ईरान को मिलेंगे 6 अरब डॉलर, बदले में यूएस ने रखी बड़ी मांग

स्विट्जरलैंड में होगा फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए अंतरिम शांति समझौते के बाद अब दोनों देशों के बीच पहली बड़ी बातचीत आगे बढ़ेगी या फिर से जंग होगी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस स्विट्जरलैंड के बर्नोनस्टॉक पहुंचे हैं, जहां रविवार को पहले दौर की वार्ता होनी है। दूसरी तरफ ईरान की तरफ से विदेश मंत्री अब्बास अरसघाई, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिब्राफ और केंद्रीय बैंक प्रमुख अब्दोल्लासेर हेमती बातचीत में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर भी मध्यस्थ देश के प्रतिनिधि के तौर पर वहां पहुंचे हैं।



ईरान को कतर में फ्रीज फंड का मिलेगा एक्सेस

अमेरिका इसके बदले में ईरान को राहत देने के लिए तैयार दिख रहा है। अगर ईरान राजी होता है तो उसे कतर में फंडे 6 अरब डॉलर के फंड का एक्सेस मिल सकता है। हालांकि इस रकम का इस्तेमाल सिर्फ मानवीय जरूरतों, जैसे खाद्य पदार्थ और दवाओं की खरीद के लिए किया जा सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच हुए अंतरिम समझौते हुए हैं। इसमें दोनों पक्षों ने बताचीत कर मामले को पूरी तरह निपटाने के लिए 60 दिनों का वक्त तय किया है। इस दौरान परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में ढील, लेबनान सीजफायर और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे विवादित मुद्दों का समाधान तलाशने की कोशिश होगी।

हिंदमाता हंकर फ्रांस आज भी 2003 की उस विनाशकारी हीटवेव को नहीं भूला है, जिसमें उचित इंतजाम न होने के कारण करीब 15 हजार बुजुर्गों की जान चली गई थी

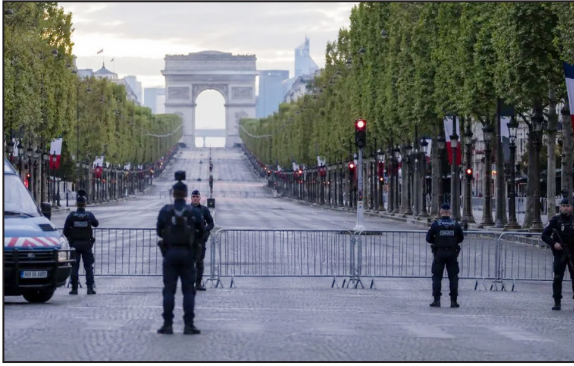
सड़कों पर सन्नाटा, शराब पर पाबंदी, जी-7 खत्म होते ही फ्रांस में मचा हड़कंप, आखिर क्यों उठाने पड़े ये कदम?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
यूरोप एक बार फिर प्रकृति के भीषण प्रकोप का सामना कर रहा है और इस बार इसका केंद्र फ्रांस बना हुआ है। हाल ही में संपन्न हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद, पूरे देश में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है, जिससे स्थितियां आपातकालीन स्तर पर पहुंच गई हैं। सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर देश के लगभग एक-तिहाई हिस्से में रेड अलर्ट जारी कर दिया है, जो मौसम की गंभीरता को दर्शाता है।

हाई अलर्ट पर फ्रांसीसी सेना
मौसम विभाग की भविष्यवाणियां डराने वाली हैं, जिसमें कई क्षेत्रों में पारा 40 डिग्री सेंल्सियस तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है। गर्मी के साथ-साथ जंगलों में आग लगने का खतरा भी बढ़ गया है, जिसे देखते हुए फ्रांसीसी सेना और सभी आपातकालीन सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई बड़े आउटडोर खेल आयोजनों को रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों पर शराब की बिक्री और सेवन पर भी सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं ताकि चिकित्सा टीमों अपना पूरा ध्यान केवल लू की चोपट में आए जरूरतमंद लोगों पर केंद्रित कर सके।

2003 की त्रासदी का डर

फ्रांस सरकार की सबसे बड़ी चिंता देश के बुजुर्गों और बेघर नागरिकों को लेकर है। यह डर अकारण नहीं है, क्योंकि फ्रांस आज भी 2003 की उस विनाशकारी हीटवेव को नहीं भूला है, जिसमें उचित इंतजाम न होने के कारण करीब 15 हजार बुजुर्गों की जान चली गई थी। इसी इतिहास को दोहराने से रोकने के लिए इस बार नर्सिंग होम और संवेदनशील बस्तियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि रविवार की तुलना में सोमवार और भी अधिक गर्म होने की संभावना है, इसलिए लोगों से दोपहर के समय घरों के भीतर रहने की अपील की जा रही है।



दुनिया से गायब हुआ एक अरब बैरल तेल

होर्मुज खुलने के बाद भी बढ़ सकती हैं कीमतें

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच इस हफ्ते समझौता होने के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज फिर से खोल दिया गया है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि दुनिया को तेल संकट से बाहर निकलने में अभी काफी समय लग सकता है। करीब चार महीने तक मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई प्रभावित रही। एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के मुताबिक, इस दौरान दुनिया को कुल 1.15 अरब बैरल तेल की कमी झेलनी पड़ी। इससे वैश्विक तेल बाजार पर भारी दबाव आ गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, दुनिया के रणनीतिक तेल भंडार 1990 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। अमेरिका का आपातकालीन तेल भंडार भी 43 साल के सबसे निचले स्तर पर है। कई देशों के व्यावसायिक तेल भंडार भी तेजी से घटे हैं। जी7 सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर होर्मुज स्ट्रेट नहीं खुलता, तो दुनिया के तेल भंडार करीब चार हफ्तों में गंभीर संकट में पहुंच सकते थे।



तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका

युद्ध के दौरान ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 126.41 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। लेकिन अमेरिका-ईरान समझौते के बाद कीमतें गिरकर 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई हैं। इसके बावजूद कई विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें आगे फिर बढ़ सकती हैं। पिछले कुछ महीनों में दुनिया के तेल भंडार से लगभग 19 करोड़ बैरल तेल कम हो चुका है। अमेरिका के ओक्लाहोमा स्थित कुशिंग ऑयल हब समेत दुनिया के कई बड़े स्टोरेज सेंटर दबाव में हैं।

क्यों तुरंत संकट नहीं हटगा?

होर्मुज खुल गया है, लेकिन तेल तुरंत बाजार में नहीं पहुंचेगा। पहले समुद्री रास्तों को सुरक्षित बनाना होगा, टैंकरों को वापस लाना होगा, तेल उत्पादन बढ़ाना होगा और फिर तेल को दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंचाना होगा। इस पूरी प्रक्रिया में कई महीने लग सकते हैं। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बाजार अभी बहुत ज्यादा आशावादी है और तेल की वास्तविक कमी को नजरअंदाज कर रहा है। वहीं अन्य एक्सपर्ट्स का कहना है कि डबलउ देश उत्पादन बढ़ाने की तैयारी में हैं, जिससे आने वाले समय में सप्लाई सुधर सकती है।

शांति समझौते के बाद भी गाजा पर इजरायली हमले जारी

बच्चों और पत्रकार की मौत



हिंदमाता नेटवर्क @ गाजा

गाजा में सीजफायर लागू होने के बावजूद भी भारी हिंसा और तबाही बिल्कुल भी थमने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को इजरायल द्वारा किए गए घातक हवाई हमलों में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार मरने वालों में दो छोटे बच्चे और अल जलजीरा के एक कैमरामैन शामिल हैं। ये लगातार हो रहे हमले गाजा में लगातार बिगड़ते हुए अमानवीय हालात और शांति समझौते की असलियत पर सवाल उठा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक शनिवार को पहला बड़ा हमला सुबह करीब 2 बजे गाजा शहर के एक अपार्टमेंट पर हुआ। इस दर्दनाक घटना में दो मासूम बच्चों, चार साल की जिना और 14 साल की लाना की जान चली गई। इन दोनों बच्चियों के शवों को शिफा अस्पताल के मुर्दाघर में सफेद बैग में परिवार के सदस्यों के बीच रखा गया था। सीजफायर के बाद भी आम नागरिकों के मारे जाने की बढ़ती घटनाओं ने इस पूरे युद्धविराम को संदेह के घेरे में ला दिया है।

पत्रकार की मौत पर इजरायल का दावा

मध्य गाजा के बुरेइज रिफ्यूजी कैंप में एक घर पर बिना किसी चेतावनी के भयानक और जानलेवा हमला किया गया। अल-अवसा अस्पताल के अनुसार इस हमले में अल-जजीरा के मशहूर कैमरामैन अहमद विशाह सहित तीन लोगों की मौत हो गई। इजरायली सेना ने अपने बयान में दावा किया है कि विशाह हमास की मिलिटी विंग का एक बहुत ही सक्रिय हिस्सा था। सेना का कहना है कि वह उस इलाके में तैनात इजरायली सैनिकों के लिए सीधा और बहुत बड़ा खतरा लगातार बना हुआ था। यह भयानक युद्ध पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों के इजरायल पर हमले के बाद शुरू हुआ था।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के बीच लेबनान पर इजरायली हमला, 7 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ स्विट्जरलैंड

मध्य-पूर्व में स्थायी शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच स्विट्जरलैंड में एक बेहद अहम वार्ता हो रही है। इस बहुप्रातिक्षित और ऐतिहासिक शांति समझौते पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर करने के लिए दोनों देश एक साथ मंच पर जुटे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस खुद इस बेहद संवेदनशील, रणनीतिक और हाई-लेवल बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड के शहर पहुंच चुके हैं। इस अहम कूटनीतिक पहल के जरिए वाशिंगटन और तेहरान के बीच लंबे समय से जारी भारी तनाव को जड़ से खत्म करने की कोशिश है। इस सकारात्मक शांति वार्ता से इतर इजरायल इस बड़े और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौते को किसी भी कीमत पर बिगाड़ने की लगातार कोशिश में लगा हुआ है। इजरायली सेना लेबनान के निर्दोष रिहायशी और अहम रणनीतिक ठिकानों को लगातार अपना निशाना बना रही है जिससे वहां भारी दहशत का माहौल है। ईरान और अमेरिका के बीच शांति डील की इन कोशिशों के बीच इजरायल के इस बेहद आक्रामक रुख ने मध्य-पूर्व की स्थिति पूरी तरह बिगाड़ दी है। पूरे इलाके को इजरायल ने एक ऐसे भयानक और खतरनाक चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां से सिर्फ युद्ध की राह निकलती है।



लेबनान के सोहमोर कस्बे पर घातक हमला

लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक इजरायली सेना ने लेबनान के वेदरन बेंका इलाके में बेहद क्रूर हमला किया। इजरायल ने घनी आबादी वाले सोहमोर कस्बे पर एक बहुत ही बड़ा और भयानक हवाई हमला किया है जिसने पूरे इलाके में भारी तबाही मचा दी है। इस आतंक और जानलेवा हमले में कम से कम 7 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है जिससे वारी तरफ भयंकर मातम पसर गया है। इस विनाशकारी हवाई हमले के बाद भारी मलबे में कई और लोगों के दबे होने की गहरी आशंका है जिससे मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

बिजनेस वर्ल्ड

हैबिल्ट ने बनाया 10वां विश्व रिकॉर्ड: योग सप्ताह में 1 करोड़+ लोग जुड़े

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत का आदत निर्माण वेलेनेस प्लेटफॉर्म हैबिल्ट ने अपना 10वां विश्व रिकॉर्ड हासिल किया है। सिर्फ एक सप्ताह में 1 करोड़ से अधिक लोग इसके योग आंदोलन से जुड़े, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े सामुदायिक वेलेनेस अभियानों में से एक बन गया है। यह उपलब्धि हैबिल्ट की राष्ट्रव्यापी पहल हर घर योग। हर दिन होगा। के तहत हासिल की गई, जो लोगों को योग को साल में सिर्फ एक दिन तक सीमित रखने के बजाय रोजाना की आदत बनाने के लिए प्रेरित करती है। इस साल के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर हेल्थी एजिंग के अनुरूप, यह पहल इस बात पर जोर देती है कि रोजाना योग अभ्यास लंबे समय तक शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ उम्र बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस आंदोलन में अभूतपूर्व भागीदारी देखने को मिली, जिसमें एक ही दिन में 20 लाख से अधिक लोग जुड़े। यह बदलाव रोचकता आधारित वेलेनेस और टिकाऊ आदत निर्माण की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाता है। पहल लगातार गति पकड़ रही है, क्योंकि भारत और दुनिया भर से प्रतिभागी एक सप्ताह लंबे विश्व रिकॉर्ड प्रयास में शामिल हो रहे हैं, जिसका सम्मान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर होगा। आईआईटी एलुमनस, सरकार द्वारा प्रमाणित योग विशेषज्ञ और हैबिल्ट के सह संस्थापक सौरभ बोथरा द्वारा स्थापित इस प्लेटफॉर्म ने दुनिया के सबसे बड़े वेलेनेस समुदायों में से एक का निर्माण किया है। यह समुदाय इस विश्वास पर आधारित है कि स्थायी परिवर्तन तीव्रता से नहीं, बल्कि निरंतरता से आता है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, हैबिल्ट के सह संस्थापक सौरभ बोथरा ने कहा, हमारा 10वां विश्व रिकॉर्ड हासिल करना सिर्फ संख्याओं के बारे में नहीं है; यह उस बढ़ते आंदोलन का प्रतिबिंब है जिसमें लोग पूर्णता के बजाय निरंतरता को चुन रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हमें योग के महत्व की याद दिलाता है, लेकिन असली बदलाव तब होता है जब योग हमारी रोजाना की जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। हर घर योग। हर दिन होगा। के जरिए हम लाखों लोगों को ऐसी आदतें बनाने में मदद कर रहे हैं जो लंबे समय तक स्वास्थ्य, वेलेनेस और स्वस्थ उम्र बढ़ने का समर्थन करती हैं। इस पहल के तहत प्रतिभागियों को मुफ्त ऑनलाइन योग सत्रों, समुदायिक नेटवर्क वाली गतिविधियों और आदत निर्माण महयोग का लाभ मिलता है, जिन्हें वेलेनेस की सरत, सुलभ और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पहल सभी आयु वर्गों और फिटनेस स्तरों के व्यक्तियों और परिवारों के लिए खुली है।

एडीबी के लिए भारत 'सबसे बड़ा बाजार'! 9433 करोड़ रुपए की फाइनेंसिंग की उम्मीद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के प्राइवेट सेक्टर के ऑपरेशन के लिए भारत लगातार सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है और बैंक को उम्मीद है कि वह इस वर्ष देश के विकास लक्ष्यों के मुताबिक प्रोजेक्ट्स के लिए लगभग एक अरब डॉलर (9433 करोड़ रुपए) की डायरेक्ट फाइनेंसिंग उपलब्ध कराएगा। एडीबी के वाइस चेयरमैन (मार्केट सॉल्यूशन) भार्गव दासगुप्ता ने कहा, पिछले साल हमने अपनी कैपिटल से सरकारी क्षेत्र के लिए चार अरब डॉलर (37732 करोड़ रुपए) से अधिक और प्राइवेट सेक्टर के लिए एक अरब डॉलर से अधिक की फाइनेंसिंग की थी। भार्गव ने कहा, इसके अलावा हमने अन्य स्रोतों से भी उनके लिए लगभग इतनी ही राशि जुटाई। इस प्रकार 2025 में एडीबी के माध्यम से निजी क्षेत्र तक कुल दो अरब डॉलर का प्रवाह हुआ। इस वर्ष की योजना के बारे में पूछे जाने पर दासगुप्ता ने कहा, प्राइवेट सेक्टर के मामले में हम इसी गति को बनाए रखेंगे। प्राइवेट सेक्टर की फाइनेंसिंग के प्रमुख क्षेत्रों पर भार्गव ने कहा कि नवीकरणीय एवं स्वच्छ ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ई-वाहन और हरित आंकड़ा केंद्र (ग्रीन डेटा सेंटर) ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें एडीबी आगे भी निवेश जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि शहरी अवसंरचना विकास, टिकाऊ कृषि और विविध समायोजन भी एडीबी के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं। भार्गव ने कहा कि वेस्ट एशिया संकट की वजह से 2026 के शुरुआती चार महीनों में ट्रेड और सप्लाई चेन फाइनेंसिंग में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि ट्रेड और सप्लाई चेन फाइनेंसिंग से फर्टिलाइजर, एनर्जी और खाने-पीने की चीजों के इंपोर्ट में मदद मिल रही है, जो कई देशों के लिए बहुत जरूरी है।

एचएसबीसी इंडिया और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने हैंड मेड इन इंडिया की महत्वपूर्ण उपलब्धि का मनाया उत्सव

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एचएसबीसी इंडिया ने एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद के साथ मिलकर गुजरात की समृद्ध हथकरघा परंपरा को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तथा राष्ट्र के प्रमुख वलस्ट्रॉरों में बुनकरों और शिल्पकारों की आजीविका को सशक्त बनाने के लिए हैंड मेड इन इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से अब तक सुरेंद्रनगर और मुज के दो हथकरघा वलस्ट्रॉरों के 1,500 बुनकरों और शिल्पकारों तक पहुंच बनाई गई है, ताकि हथकरघा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न कार्यों और बाजार व्यवस्थाओं को मजबूत बनाया जा सके और आर्थिकनिराश को बढ़ावा दिया जा सके। इस समारोह में प्रसिद्ध शेफ श्री रणवीर बरार; एचएसबीसी इंडिया में इंटरनेशनल वेलथ एंड प्रीमियर बैंकिंग के प्रमुख श्री संदीप बत्रा; डॉ। सुनील शुक्ला, महानिदेशक, एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) तथा एचएसबीसी इंडिया और ईडीआईआई के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर गुजरात के सूत्र में एचएसबीसी इंडिया की नई शाखा का भी शुभारंभ किया गया। यह शाखा भारत के तेजी से उभरते समृद्धि और औद्योगिक केंद्रों में से एक सूत्र में बैंक की उपस्थिति को और मजबूत करेगी। यह अवसर गुजरात के हथकरघा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ और राज्य में स्थानीय समुदायों तथा उद्यमिता-आधारित विकास को बढ़ावा देने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। हैंड मेड इन इंडिया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बुनकरों और शिल्पकारों के सामने मौजूद वास्तविक चुनौतियों का समाधान करना है। इनमें उत्पादों में सीमित विविधता, बाजार तक सीमित पहुंच, प्राीयोगीका का कम उपयोग तथा ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीमित उपस्थिति जैसी समस्याएं शामिल हैं। कार्यक्रम के तहत इन चुनौतियों से निपटने के लिए उद्यमिता संबंधी क्षमताओं का विकास किया जाता है, जिससे शिल्पकार अपनी पारंपरिक कला की विशिष्ट पहचान को बनाए रखते हुए ऐसे उद्यम विकसित कर सकते हैं, जो व्यावहारिक, मजबूत और लंबे समय तक टिकाऊ हों। एचएसबीसी इंडिया की हेड आलोक मजुमदार ने कहा, भारत का हथकरघा क्षेत्र हमारी समृद्ध विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और ग्रामीण आजीविका, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण तथा सतत उत्पादन को बढ़ावा देने में इसकी अहम भूमिका है।



पाकिस्तानी आम को किसकी लगी नजर! कम हो सकता है 30% एक्सपोर्ट, ये है वजह

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

कंगाल पाकिस्तान को एक्सपोर्ट के मोर्चे पर एक बड़ा झटका लग सकता है। इस बार पाकिस्तानी आम का एक्सपोर्ट 30 फीसदी कम होता हुआ दिखाई दे रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण मिडिल ईस्ट की टेंशन है। आम के व्यापारियों ने एएफपी को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल एक्सपोर्ट से होने वाली बिक्री में कम से कम 30 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इसकी वजह मत्क समेत मुख्य बाजारों में मांग में कमी और शिपिंग की बढ़ती लागत है। आर्थिक मुश्किलों को और बढ़ाते हुए, क्षेत्रीय संकट की वजह से महंगाई बढ़ने से जूझ रहे स्थानीय परिवार आम खरीदने से बच रहे हैं, जिससे घरेलू बिक्री भी कम हो गई है। आम उगाने वाले मुख्य इलाके टंडो अल्लाहपूर में, मोहम्मद शकील सुह्रार-पोले रंग की सिंघरी किसम के आमों के बागानों का प्रबंधन करते हैं। इस किसम का नाम उस प्रांत के नाम पर रखा गया है जहां यह उगती है और यह अपने बेहतरीन स्वाद और रसीले गूदे के लिए प्रसहूर है। उन्हें डर है कि उनका कारोबार बागान के लीज (पट्टे) की शुरुआती लागत को पूरा करने के लिए जरूरी आमदनी नहीं जुटा पाएगा। उन्होंने एएफपी की रिपोर्ट में कहा कि कुछ लोगों ने तो अपने कॉन्ट्रेक्ट पूरी तरह से छोड़ दिए हैं। शकील ने कहा कि इतना नुकसान हुआ है कि ठेकेदारों ने अपना पड़ाव पैसा भी छोड़ दिया है। दक्षिण एशिया में फलों का राजा कहे जाने वाले आम की पाकिस्तान में दो दर्जन से ज्यादा किस्में उगाई जाती हैं। इनसे आम तौर पर सालाना लगभग 110 मिलियन डॉलर की अंतरराष्ट्रीय बिक्री होती है, जिससे यह देश दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एक्सपोर्टर बन जाता है। मिडिल ईस्ट युद्ध से पैदा हुई चुनौतियां पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की भू-राजनीतिक कमजोरी को उजागर करती हैं। यह अर्थव्यवस्था काफी हद तक कृषि क्षेत्र पर निर्भर है, जो पहले से ही जलवायु परिवर्तन के असर से जूझ रहा है। ऑल पाकिस्तान फ्रूट एंड वीजिटेबल एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक वहीद अहमद ने एएफपी को बताया कि आम का लगभग 80 प्रतिशत एक्सपोर्ट गल्फ क्षेत्र, ईरान और अफगानिस्तान को किया जाता है। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में ये सभी देश संघर्ष की चोपट में आ गए हैं।

08 हर दिन योगा करते हैं ये सेलेब्स; फिटनेस के लिए मानते हैं जरूरी

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। बॉलीवुड में भी कई सितारे हैं, जो अपनी रोजाना की फिटनेस और मानसिक सेहत के लिए योग को एक जरूरी हिस्सा मानते हैं। इनमें शिल्पा शेट्टी, मलाइका अरोड़ा और करीना कपूर खान जैसे स्टार्स योग के बड़े प्रशंसक हैं और वे पूरी सेहत (होलिस्टिक वेलनेस) और पारंपरिक भारतीय फिटनेस तरीकों को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा अक्षय कुमार और आलिया भट्ट जैसे सितारे भी योग को जरूरी मानते हैं।



मलाइका अरोड़ा
मलाइका अरोड़ा का मानना है कि 'योगा से ही होगा'। उनका कहना है कि शुरुआत करने के लिए आपको प्रोफेशनल होने की जरूरत नहीं है, बस रोजाना अभ्यास करने से ही शरीर में बदलाव आता है। वह योग को सिर्फ शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं मानती, बल्कि इसे एक संपूर्ण जीवनशैली मानती हैं जो आंतरिक शांति, मानसिक स्पष्टता और मन-शरीर के जुड़ाव पर जोर देती है।



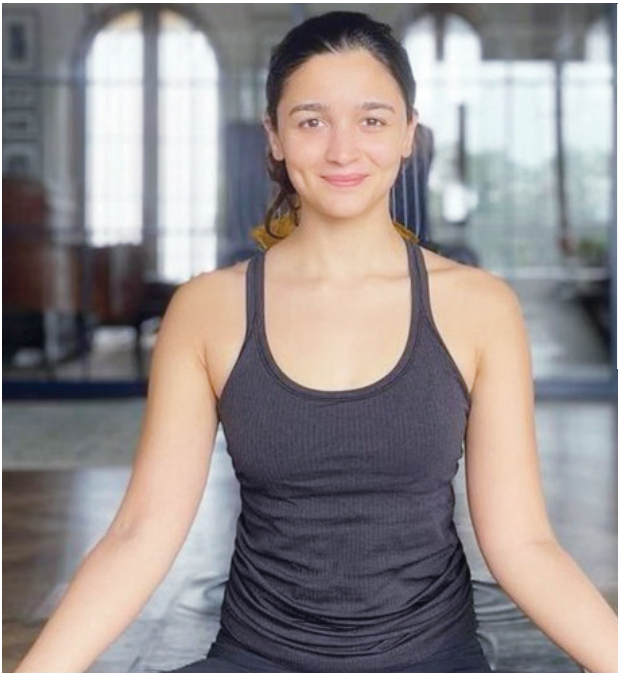
शिल्पा शेट्टी कुंद्रा

शिल्पा ने बॉलीवुड में योग को लोकप्रिय बनाया और वह एक सर्टिफाइड योग इंस्ट्रक्टर हैं। वह अक्सर मुश्किल आसनों के साथ-साथ सूर्य नमस्कार भी करती हैं और अपने फिटनेस ऐप पर भी अपने रूटीन शेयर करती हैं।



करीना कपूर खान

अपने अनुशासन के लिए मशहूर करीना कपूर रोजाना 101 सूर्य नमस्कार करने के लिए जानी जाती हैं। वह अपने स्ट्रेचिंग और प्रेन्नेसी के बाद फिटनेस बनाए रखने का श्रेय पावर और अष्टांग योग को देती हैं।



आलिया भट्ट
आलिया अपने वीकली रूटीन में अष्टांग और एंटी-ग्रेविटी (एरियल) योग जैसे कई तरह के योग शामिल करती हैं। अपने अभ्यास को जारी रखने के लिए वह अक्सर अपने इंस्ट्रक्टर के साथ यात्रा करती हैं।



अक्षय कुमार
मार्शल आर्ट्स और कोर-स्ट्रेचिंग योग को मिलाने के लिए मशहूर अक्षय, इस प्रैक्टिस का इस्तेमाल अनुशासन और सर्वांगीण सेहत के लिए करते हैं। वो भारत सरकार की 'इंटरनेशनल योग डे' पहल के मुखर समर्थक रहे हैं।



सारा अली खान
सारा अली खान ने अपनी फिटनेस यात्रा का श्रेय खुलकर योग को दिया है, साथ ही पिलेटस और वेट ट्रेनिंग को भी। वे एरियल योग करने के लिए भी जानी जाती हैं।

मौनी रॉय का देसी क्वीन अंदाज

देवों के देव महादेव में सती का किरदार निभा कर मौनी रॉय ने घर-घर में खूब नाम कमाया। अपनी तलाक की खबरों के बाद अब मौनी रॉय अपनी वेब सीरीज 'अब होगा हिसाब' को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। लोगों द्वारा इस सीरीज को बहुत प्यार मिल रहा है। इसी बीच हाल ही में मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उन्होंने साड़ी पहनी है और वो बला की खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी ने गोल्डन रंग की साड़ी पहनी हुई है। अपने लुक को और भी सुंदर बनाने के लिए उन्होंने लाल रंग का ब्लाउज पहना है। छोटी सी लाल बिंदी के बाद साथ वो और भी ज्यादा सुन्दर लग रही हैं। अगर उनकी ज्वेलरी की बात की जाए तो उन्होंने गले में कुछ न पहनते हुए कानों बड़े-बड़े इयररिंग पहने हुए हैं। ये झुमके उनके लुक को पूरा कम्पलीट कर रहे हैं।



■ वेदी खुले बाल मौनी की खूबसूरती को चार चांद लगा रहे हैं। अपनी इन तस्वीरों के साथ मौनी ने बेहद प्यारा कैप्शन भी लिखा है हमेशा-एक साड़ी वाली लड़की। न्यूज़ लिबरल और गायहरे काजल के साथ मौनी ने सबका दिल अपनी तरफ खींच लिया है। कमेंट सेक्शन में भी हर कोई उनकी तारीफ करते हुए थक नहीं रहा। हर तस्वीर में मौनी ने अलग-अलग पोज बनाए हुए हैं। अपने Curvy फिगर और दिलकश मुस्कान के साथ मौनी बिल्कुल अप्सरा सी लग रही हैं।

मौनी रॉय की पर्सनल लाइफ

मौनी रॉय की पर्सनल लाइफ की बात करें तो हाल ही में उनके और उनके पति सुरज नाबिहार के रिश्ते को लेकर अलगाव की खबरें सामने आई हैं। दोनों ने जनवरी 2022 में गोवा में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शादी रचाई थी। हालांकि, उनके रिश्ते को लेकर अब कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

‘कल्कि 2’ को लेकर बढ़ा क्रेज



साउथ सुपरस्टार प्रभास एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। हाल ही में निर्देशक नाग अश्विन के साथ एक प्रमोशनल वीडियो सामने आया, जिसमें प्रभास के मोबाइल फोन पर दिखाई दिए एक खास वॉलपेपर ने फैस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वीडियो में नजर आए 'कण' थीम वाले वॉलपेपर को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। फैस इसे 'कल्कि 2' से जोड़कर देख रहे हैं और फिल्म की कहानी को लेकर नई-नई थ्योरी साझा कर रहे हैं।

प्रभास की फिल्मों को लेकर जबरदस्त उत्साह

वीडियो सामने आने के कुछ ही घंटों के भीतर उसके स्क्रीनशॉट्स इंटरनेट पर वायरल हो गए। फैस का मानना है कि यह छोटा सा संकेत 'कल्कि 2' में प्रभास के किरदार और कहानी से जुड़ा हो सकता है। हालांकि फिल्म के निर्माताओं की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। यह एक बार फिर साबित करता है कि प्रभास की फिल्मों को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना रहता है।

‘स्पिरिट’ के अपडेट ने भी मचाई हलचल

इसी बीच फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी आगामी फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़ा एक नया पोस्टर साझा किया। पोस्टर में केवल वांगा और प्रभास की परछाई दिखाई गई थी, लेकिन इसकी सादगी के बावजूद यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैस ने इस पोस्टर को हाथोंहाथ लिया और फिल्म से जुड़ी नई जानकारीयों का इंतजार शुरू कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभास जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रभास की आगामी फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच लगातार उत्साह बना हुआ है। 'फोजी', 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी बड़ी फिल्मों के साथ अभिनेता आने वाले समय में बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं।

भारत मंडपम में एक मंच पर आएगी भारतीय फिल्म

भारत के फिल्म, मीडिया, मनोरंजन और क्रिएटिव उद्योगों को एक साझा मंच पर लाने के उद्देश्य से फिल्म एक्सपो इंडिया 2026 का आयोजन आगामी 26 से 30 अगस्त तक दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में किया जाएगा, जो देश के सबसे बड़े और महत्वकांक्षी फिल्म एवं मनोरंजन उद्योग सम्मेलनों में से एक माना जा रहा है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा तथा सांसद मनोज तिवारी का जहां समर्थन और मार्गदर्शन प्राप्त है, वहीं महाराष्ट्र टूरिज्म और मेघालय टूरिज्म इस पहल को सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

■ इस भाव्य पहल का नेतृत्व प्रसिद्ध अभिनेता एवं उद्यमी विंदु दारा सिंह तथा एक्सहोबज प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक ज्योति यादव कर रहे हैं, जबकि इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (भारत मंडपम) इस आयोजन के सह-आयोजक हैं। इसका उद्देश्य फिल्म निर्माताओं, कंटेंट क्रिएटर्स, कलाकारों, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों, स्टार्टअप्स, कॉर्पोरेट जगत और मनोरंजन प्रेमियों को एकीकृत मंच प्रदान करना है। फिल्म और मीडिया जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने इस आयोजन को अपना समर्थन दिया है, जिनमें दीपक मुकुट, मनोज जोशी, मुकेश ऋषि, मुकेश छाबरा, मनोज त्यागी, विशाल वैजानी, योगेश लखानी, डॉ. संदीप मारवाह, तथा प्रसार भारती, इनक्रीडिबल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस आयोजन को इंध्या, फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया, मोशन पिक्चर एसोसिएशन, सिंटा, आईसीएआई, एमसीएआई, एसडब्ल्यू तथा आईसीएमई सहित कई प्रमुख उद्योग संगठनों का सहयोग प्राप्त है। इसके अतिरिक्त नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन हिस्टॉरिंग बुड्स इंटरनेशनल, मारवाह स्टूडियो तथा इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों की भागीदारी इस आयोजन को प्रतिभा, शिक्षा, नवाचार और व्यवसाय का अनूठा संगम बनाएगी।



■ फिल्म एक्सपो इंडिया 2026 में देश-विदेश से लगभग 1 लाख से डेढ़ 1.5 लाख से अधिक आगंतुकों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें फिल्म निर्माता, निर्माता, सह-निर्माता, निर्देशक, लेखक, अभिनेता, वितरक, ओटीटी प्लेटफॉर्म, सिनेमा प्रदर्शक, तकनीकी कंपनियां, निवेशक, कॉर्पोरेट प्रतिनिधि, विद्यार्थी और फिल्म प्रेमी शामिल होंगे। पांच दिवसीय इस आयोजन में प्रदर्शनियां, कॉन्फ्रेंस, नेटवर्किंग फोरम, फिल्म टेक्नोलॉजी शोकेस, स्टार्टअप पहल, कौशल विकास सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बिजनेस मैचमेकिंग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

GAME & GLAMOUR

वैभव सूर्यवंशी ने रचा नया कीर्तिमान

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी ठोकने वाले टॉप 5 प्लेयर, लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी ठोकने वाले टॉप 5 प्लेयर की लिस्ट में दो श्रीलंकाई हैं। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने नया कीर्तिमान रच डाला है। उन्होंने 21 साल पुराना रेकॉर्ड ध्वस्त किया।



वैभव सूर्यवंशी

इंडिया ए का हिस्सा वैभव सूर्यवंशी ने रविवार को वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में तूफानी बल्लेबाजी की। 15 साल के ओपनर ने श्रीलंका के खिलाफ 29 गेंदों में 94 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 8 छक्के ठोके। उन्होंने 11 गेंदों में फिफ्टी कम्प्लीट की और नया वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया। यह लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी है।



कौशल्य वीररत्ने

वैभव सूर्यवंशी ने कौशल्य वीररत्ने का 21 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। श्रीलंका के वीररत्ने ने 2005 में रागामा क्रिकेट क्लब की ओर से 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। उन्होंने यह कारनामा कुरुनेगला युवा क्रिकेट क्लब के खिलाफ किया।



थिसारा परेरा

लिस्ट में तीसरे नंबर पर थिसारा परेरा हैं। उन्होंने 2020 में श्रीलंका आर्मी स्पोर्ट्स क्लब की तरफ से 13 गेंदों में फिफ्टी जमाई थी। उन्होंने ब्लूमफील्ड क्रिकेट एंड एथलेटिक क्लब के सामने ऐसा किया था।



रोरी वलेनवेल्ड

साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज रोरी वलेनवेल्ड ने 2010 में क्वाजुलु नेटल के विरुद्ध 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वह तब वेस्टर्न प्रोविंस की ओर से खेलते थे।



सलमान बट

पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज सलमान बट संयुक्त रूप से पांचवें पायदान पर हैं। उन्होंने लाहौर इंगल्स की तरफ से नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान के खिलाफ 15 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी। एजे हॉलिओके, परवेज हुसैन और एक्सपन खान ने भी 15-15 गेंदों में अर्धशतक जमाया।